

सीआरआरआई सूचना-पत्र

CRRI Newsletter



हर कदम, हर डगर
किसानों का हमसफर
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
AgriSearch with a human touch

Vol. 47; No. 2

April-June, 2026

अप्रैल- जून, 2026

ISSN 0972-5865

विषयसूची / CONTENTS

आयोजन

इकोलाइम + प्रदर्शन क्षेत्रों का क्षेत्र दौरा और किसानों के साथ चर्चा	1
अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर मुठी अनुकूल समारोह सहित सीआरआरआई में राज्य स्तरीय कृषक दिवस आयोजित	2
भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक ने 81वां स्थापना दिवस और धान दिवस मनाया	5
भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक में 'विश्व बौद्धिक संपदा दिवस 2026' का उत्सव	7
भाकृअनुप-सीआरआरआई ने ई-ऑफिस में फंक्शनल फाइल नंबरिंग सिस्टम पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया	8
सतत कृषि के लिए औद्योगिक उप-उत्पादों के पर्यावरण-अनुकूल उपयोग पर भाकृअनुप-सीआरआरआई में राष्ट्रीय स्तर की बहु-हितधारक कार्यशाला का आयोजन	9
प्रशिक्षण कार्यक्रम	10
अर्गतुक	15
सीआरआरआई क्षेत्रीय केंद्र, हजारीबाग	16
स्थापना दिवस समारोह	16
बीज वितरण और किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम	16
प्रौद्योगिकी	17
कृषि विज्ञान केंद्र के कार्यक्रम	18
कृषि विज्ञान केंद्र, कोडरमा	19
केवीके, कोडरमा द्वारा पीएम-किसान योजना किस्त का सीधा प्रसारण	20
सम्मेलन/परिसंवाद/कार्यशाला/शीतकालीन पाठ्यक्रम/प्रदर्शनी/प्रशिक्षण कार्यक्रमों/बैठकों में प्रतिभा मिला	24
नियुक्ति	26
निदेशक की कलम से	27

Events

Field visit of EcoLime+ demonstration fields and interact with farmers	1
Rajyastariya Krushak Divas Celebrated at ICAR-CRRI on the Auspicious Occasion of Akshaya Tritiya with Muthi Anukula Ceremony	2
81 st Foundation Day and Dhan Divas Celebrated at ICAR-CRRI, Cuttack	5
Celebration of "World Intellectual Property Day 2026" at ICAR-CRRI, Cuttack	7
ICAR-CRRI Conducts Capacity Building Programme on Functional File Numbering System in e-Office	8
National-Level Multi-Stakeholder Workshop on Eco-Friendly Utilization of Industrial By-products for Sustainable Agriculture Organized at ICAR-CRRI	9
Training Programmes	10
Visitors	15
CRRI Regional Station, Hazaribagh	16
Foundation Day Celebration	16
Seed Distribution and Farmers' Training Programmes	16
Technology	17
KVK Programmes	18
KVK, Koderma	19
KVK, Koderma Organized Live Telecast of PM-KISAN Scheme Installment	20
RESEARCH NOTE	20
Seminar/ Symposia/ Workshop/ Winter School/ Exhibition/ Training Programmes/ Meetings attended	24
Popular Article	25
Appointment	26
From Director's Desk	27

आयोजन

इकोलाइम + प्रदर्शन क्षेत्रों का क्षेत्र दौरा और किसानों के साथ चर्चा

ओडिशा सरकार के डीएफआई के आयुक्त-सह-सचिव श्री सचिन रामचंद्र जाधव ने अपनी टीम के साथ ओडपदा, प्रखंड, ढेंकनाल जिले के कांडबिंधा गांव में इकोलाइम+ प्रदर्शन क्षेत्रों की समीक्षा करने और किसानों के साथ चर्चा करने के लिए एक प्रक्षेत्र दौरा किया।



इस दौरे में बागवानी निदेशक, ढेंकनाल के कलेक्टर, सीडीएआरओ ढेंकनाल और राज्य विभाग के अन्य अधिकारियों ने भाग लिया। लगभग 40 किसानों ने इस चर्चा कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। ये प्रदर्शन ओडिशा सरकार द्वारा वित्त पोषित सफर परियोजना के तहत किए जा रहे हैं। इस दौरान परियोजना के प्रमुख अन्वेषक डॉ. प्रताप भट्टाचार्य ने डॉ. रुबीना खानम और डॉ. दिलीप आर. सरंगी, वैज्ञानिक, आईसीएआर-सीआरआरआई के साथ इकोलाइम+ के लाभों और क्षेत्र प्रदर्शन पर विस्तृत व्याख्यान दिया। इकोलाइम+, एक समग्र मूल्य वर्धित उत्पाद, फास्फोरस, सिलिकॉन, कैल्शियम और मैग्नीशियम जैसे आवश्यक पोषक तत्वों की आपूर्ति करता है। यह मिट्टी के पीएच को बढ़ाकर अम्ल मृदा प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो बदले में अम्लीय मिट्टी में फास्फोरस की उपलब्धता को बढ़ाता है। वैज्ञानिकों ने बताया कि इस बेहतर पोषक तत्वों की उपलब्धता से डीएपी उर्वरक के उपयोग में 25 प्रतिशत तक की कमी आने की संभावना है। किसानों ने चर्चा के दौरान अपने अनुभव भी साझा किए, जिसमें इकोलाइम के

Events

Field visit of EcoLime+ demonstration fields and interact with farmers

A field visit was conducted on 11 April 2026 by the Commissioner-cum-Secretary, D A F E, Government of Odisha, Shri Sachin Ramchandra Jadhav, along with his team at Kandabinda village under Odapada block, Dhenkanal district, to review the EcoLime+ demonstration fields and interact with farmers.

The visit was attended by the Director of Horticulture, Collector of Dhenkanal, CDAO Dhenkanal, and other officials from the State Department. Around 40 farmers actively participated in the interaction program. The demonstrations are being carried out under the SAFAR project funded by the Government of Odisha. During the visit, Dr. Pratap Bhattacharyya, Principal Investigator of the project, along with Dr. Rubina Khanam and Dr. Dillip Ranjan Sarangi, scientists of ICAR-CRRI, provided a detailed explanation on the benefits and field performance of EcoLime+. EcoLime+, a composite value-added product, supplies essential nutrients such as phosphorus, silicon, calcium, and magnesium. It plays a significant role in acid soil management by increasing soil pH, which in turn enhances the availability of phosphorus in acidic soils. This improved nutrient availability has the potential to reduce the use of DAP fertilizer by up to 25 percent, as explained by the scientists. Farmers also shared their experiences during the interaction, highlighting visible

भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक
ICAR-CENTRAL RICE RESEARCH INSTITUTE, CUTTACK

हमारी वेबसाइट पर जाएँ / Visit us at: www.icar-nrri.in



उपयोग से मिट्टी की स्थिति और फसल के प्रदर्शन में प्रत्यक्ष सुधार पर प्रकाश डाला गया। आगंतुक दल ने चल रहे प्रयासों की सराहना की और राज्य भर में व्यापक रूप से अपनाने के लिए ऐसी टिकाऊ प्रौद्योगिकियों को बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया।

अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर मुठी अनुकूल समारोह सहित सीआरआरआई में राज्य स्तरीय कृषक दिवस आयोजित



अक्षय तृतीया के पवित्र और शुभ अवसर पर, 20 अप्रैल 2025 को भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक में राज्यस्तरीय कृषक दिवस बड़े उत्साह और पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया। यह उत्सव कृषि में समृद्धि, प्रचुरता और नई शुरुआत के प्रतीक, पूजनीय मुठी अनुकूल अनुष्ठान के माध्यम से कृषि मौसम की औपचारिक शुरुआत का प्रतीक है। कार्यक्रम की अध्यक्षता ओडिशा के माननीय मुख्यमंत्री श्री मोहन चरण माझी ने की, जिनकी गरिमायुगी उपस्थिति ने इस अवसर की भव्यता और गरिमा को और बढ़ा दिया। उनके साथ ओडिशा के माननीय उप-मुख्यमंत्री श्री कनक वर्धन सिंहदेव, माननीय वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन विभाग मंत्री श्री गणेश राम सिंहखुटिया, संसद सदस्य श्री भर्तृहरि महताब, संसद सदस्य श्री बिभु प्रसाद तराई, जगतसिंहपुर के साथ कटक जिले के स्थानीय विधायक भी थे, जिन्होंने कार्यक्रम में बतौर अतिथियों की गरिमा बढ़ाई। भाकृअनुप-सीआरआरआई के निदेशक डॉ जी ए के कुमार ने राज्य विभाग के विशिष्ट गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का हार्दिक स्वागत किया। ओडिशा की पोषित कृषि परंपराओं को ध्यान में रखते हुए, माननीय मुख्यमंत्री ने सभी गणमान्य व्यक्तियों के साथ मिलकर संस्थान के फार्म में पवित्र चावल के बीज बोकर पारंपरिक मुठी अनुकूल समारोह किया, जो कृषि वर्ष की आशाजनक शुरुआत का प्रतीक है और पूरे राज्य के किसानों के लिए समृद्धि का आह्वान करता है। इसके बाद माननीय मुख्यमंत्री ने राज्य स्तरीय कृषक दिवस पर सम्मानित सभा को संबोधित किया, और अपने दूरदर्शी वक्तव्य से कृषक समुदाय को प्रेरित और प्रोत्साहित किया। इस कार्यक्रम में ओडिशा के विभिन्न जिलों से लगभग 5,000 किसानों और किसान महिलाओं की उत्साही भागीदारी देखी गई, जो कृषि समुदाय की जीवंत भावना और सामूहिक आकांक्षाओं को दर्शाती है। कार्यक्रम का आयोजन कृषि एवं किसान सशक्तिकरण विभाग ने जिला प्रशासन कार्यालय कटक के सहयोग से किया था। यह उत्सव सांस्कृतिक विरासत और वैज्ञानिक प्रयास के एक सामंजस्यपूर्ण संगम के रूप में खड़ा था, जो कृषि नवाचार, किसानों के कल्याण और सतत प्रगति के प्रति संस्थान की अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। इस कार्यक्रम ने कृषि समुदाय के भीतर एकता और गौरव की गहरी भावना को बढ़ावा दिया, जिससे परंपरा और आधुनिक कृषि विज्ञान के बीच स्थायी बंधन मजबूत हुआ।

61वीं वार्षिक चावल समूह बैठक (एआरजीएम-2026) आईसीएआर-सीआरआरआई, कटक में आयोजित

भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक में 61वीं वार्षिक चावल समूह बैठक (एआरजीएम-2026) का आयोजन 17 से 20 अप्रैल, 2026 के दौरान किया गया। एआरजीएम ने अखिल भारतीय समन्वित चावल अनुसंधान परियोजना (एआईसीआरपीआर) के तहत चावल अनुसंधान गतिविधियों की समीक्षा और रणनीतिक योजना के लिए एक प्रमुख राष्ट्रीय

improvements in soil condition and crop performance with the use of EcoLime+. The visiting team appreciated the ongoing efforts and emphasized the importance of scaling up such sustainable technologies for wider adoption across the state.

Rajyastariya Krushak Divas Celebrated at ICAR-CRRI on the Auspicious Occasion of Akshaya Tritiya with Muthi Anukula Ceremony



On the sacred and auspicious occasion of Akshaya Tritiya, the Rajyastariya Krushak Divas was celebrated with great enthusiasm and traditional fervour at ICAR-Central Rice Research Institute, Cuttack, on 20th April 2025. The celebration marked the ceremonial commencement of the agricultural season through the revered Muthi Anukula ritual, symbolizing prosperity, abundance, and new beginnings in agriculture.

The programme was graciously presided over by the Chief Guest, Shri Mohan Charan Majhi, Hon'ble Chief Minister of Odisha, whose esteemed presence added grandeur and dignity to the occasion. He was accompanied by Shri Kanak Vardhan Singhdeo, Hon'ble Deputy Chief Minister of Odisha; Shri Ganesh Ram Singhkhuntia, Hon'ble Minister Forest, Environment & Climate Change Dept.; Shri Bhartuhari Mahtab, Member of Parliament, Cuttack; Shri Bibhu Prasad Tarai, Member of Parliament, Jagatsinghpur; along with the local MLAs of Cuttack district, who graced the programme as Guests of Honour.

Dr. G. A. K. Kumar, Director of ICAR-CRRI, along with distinguished dignitaries from the State Department, extended a warm welcome to the esteemed guests and participants. In keeping with the cherished agricultural traditions of Odisha, the Hon'ble Chief Minister, along with all dignitaries, performed the traditional Muthi Anukula ceremony by sowing sacred rice seeds at the Institute farm, symbolizing the hopeful onset of the agricultural year and invoking prosperity for farmers across the state.

Subsequently, the Hon'ble Chief Minister addressed the august gathering at the Rajyastariya Krushak Divas, inspiring and encouraging the farming community with his visionary remarks. The event witnessed the enthusiastic participation of nearly 5,000 farmers and farm women from various districts of Odisha, reflecting the vibrant spirit and collective aspirations of the agricultural fraternity.

The programme was organized by the Department of Agriculture and Farmers' Empowerment in collaboration with the District Administration Office Cuttack. The celebration stood as a harmonious confluence of cultural heritage and scientific endeavour, reaffirming the Institute's steadfast commitment to agricultural innovation, farmers' welfare, and sustainable progress. The event also fostered a deep sense of unity and pride within the farming community, strengthening the enduring bond between tradition and modern agricultural science.

61st Annual Rice Group Meetings (ARGM-2026) Held at ICAR-CRRI, Cuttack

The 61st Annual Rice Group Meetings (ARGM-2026) was organized from 17 to 20 April, 2026 at the ICAR-Central Rice Research Institute (ICAR-CRRI), Cuttack. The ARGM served as a premier national platform for the review and strategic planning of rice research activities under the All India Coordinated Research Project on Rice (AICRPR). The



मंच के रूप में कार्य किया। इस कार्यक्रम में देश भर के लगभग 400 वैज्ञानिक, शोधकर्ता और हितधारक एक साथ आए ताकि चावल अनुसंधान और विकास में हालिया प्रगति, उभरती चुनौतियों और भविष्य की रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया जा सके, जिससे चावल अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र में सहयोगात्मक प्रयासों को मजबूत किया जा सके। कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह 18 अप्रैल, 2026 को आयोजित किया गया था, जिसमें डॉ. मांगी लाल जाट, सचिव, डेयर और महानिदेशक, आईसीएआर, नई दिल्ली ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाई, जो आईसीएआर, नई दिल्ली के डीडीजी (फसल विज्ञान) डॉ. डी.के. यादव की अध्यक्षता में कार्यक्रम में शामिल हुए। डॉ. एस.के. प्रधान, एडीजी (एफएफसी), आईसीएआर, नई दिल्ली और डॉ. ए.के. सिंह, पूर्व निदेशक, आईसीएआर-आईएआरआई, नई दिल्ली ने कार्यक्रम में विशिष्टता जोड़ते हुए बतौर सम्मानित अतिथि की भूमिका निभाई। अपने संबोधन में, सचिव, डेयर और महानिदेशक, आईसीएआर ने चावल उत्पादन में भारत की उल्लेखनीय प्रगति पर प्रकाश डाला और दो जीनोम-संपादित चावल किस्मों के विकास पर जोर दिया, जो आधुनिक चावल प्रजनन में एक प्रमुख मील का पत्थर है। उन्होंने विशिष्ट अनुसंधान क्षेत्रों के लिए समर्पित संभावित केंद्रों की पहचान करने, जीआई टैग वाले चावल की किस्मों को बढ़ावा देने, व्यापक अनुसंधान कार्यक्रमों का विस्तार करने और संकर चावल अनुसंधान से जुड़ी महत्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान करने के महत्व पर भी जोर दिया।

उप महानिदेशक (फसल विज्ञान) डॉ. डी.के. यादव ने कहा कि पिछले वर्ष के दौरान चावल का उत्पादन उत्साहजनक रहा, जो विभिन्न चावल उगाने वाले क्षेत्रों में अपनाई गई बेहतर तकनीकों और कुशल फसल प्रबंधन प्रथाओं के सकारात्मक प्रभाव को दर्शाता है। डॉ. ए.के. सिंह ने चावल के दाने के आनुवंशिक सुधार के महत्व पर विस्तार से बताया और लागत प्रभावी बीज प्रौद्योगिकियों के विकास के माध्यम से चावल की उत्पादकता बढ़ाने के लिए रणनीतियों की रूपरेखा तैयार की। उन्होंने धान की खेती बढ़ाने के लिए परती भूमि का उपयोग करने की अपार संभावना पर भी प्रकाश डाला और बासमती और गैर-बासमती चावल की खेती प्रणालियों में प्रगति पर चर्चा की। डॉ. एस.के. प्रधान, एडीजी (एफएफसी) ने आनुवंशिक सुधार में तेजी लाने और टिकाऊ चावल उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए जीनोम-सहायता प्रजनन, विविध जर्मप्लाज्म संसाधनों को शामिल करने और पूर्व-प्रजनन कार्यक्रमों को मजबूत करने की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। डॉ. आर.एम. सुंदरम, निदेशक, आईसीएआर-भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-आईआईआरआर) ने चावल विज्ञान को आगे बढ़ाने में सहयोगात्मक अनुसंधान और संस्थागत साझेदारी के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने भारत के चावल उत्पादन और निर्यात परिदृश्य पर भी बात की, इस बात पर जोर दिया कि देश के पास एक ही फसल-चावल के लिए समर्पित दुनिया के सबसे बड़े अनुसंधान नेटवर्क में से एक है। इसके अलावा, उन्होंने किसानों द्वारा महसूस की गई चावल की खेती में प्रमुख बाधाओं को रेखांकित किया और लक्षित अनुसंधान और प्रभावी विस्तार सेवाओं के माध्यम से क्षेत्र-स्तरीय चुनौतियों का समाधान करने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया। आईसीएआर-सीआरआरआई के निदेशक डॉ. जी.ए.के. कुमार ने संस्थान के चावल अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास और उन्नत कृषि पद्धतियों के प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डालते हुए अपने विचार व्यक्त किए, जिससे देश भर में चावल उत्पादन प्रणाली मजबूत हुई है। बैठक का आयोजन संयुक्त रूप से आईसीएआर-भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-आईआईआरआर), हैदराबाद; आईसीएआर-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-सीआरआरआई), कटक; आईसीएआर-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-आईएआरआई), नई दिल्ली; एसोसिएसन ऑफ राइस रिसर्च वर्क्स, कटक; और सोसाइटी फॉर

event brought together nearly 400 scientists, researchers, and stakeholders from across the country to deliberate on recent advancements, emerging challenges, and future strategies in rice research and development, thereby strengthening collaborative efforts in the rice research ecosystem.

The inaugural ceremony of the programme was held on 18 April, 2026, with Dr. Mangi Lal Jat, Secretary, DARE & Director General, ICAR, New Delhi, gracing the occasion as the Chief Guest, under the chairpersonship of Dr. D.K. Yadava, DDG (Crop Science), ICAR, New Delhi, who joined the programme virtually. Dr. S.K. Pradhan, ADG (FFC), ICAR, New Delhi, and Dr. A.K. Singh, Former Director, ICAR-IARI, New Delhi, graced the occasion as Guests of Honour, adding further distinction to the event.

In his address, the Secretary, DARE & Director General, ICAR, highlighted India's remarkable progress in rice production and emphasized the development of two genome-edited rice varieties, which signify a major milestone in modern rice breeding. He further underscored the importance of identifying potential centres dedicated to specific research domains, promoting GI-tagged rice varieties, expanding comprehensive research programmes, and addressing critical challenges associated with hybrid rice research.

Dr. D.K. Yadava, DDG (Crop Science), expressed that rice production during the last year was encouraging, reflecting the positive impact of improved technologies and efficient crop management practices adopted across various rice-growing regions. Dr. A.K. Singh elaborated on the importance of genetic improvement of rice grains and outlined strategies to enhance rice productivity through the development of cost-effective seed technologies. He also highlighted the immense potential of utilizing fallow lands to increase rice cultivation and discussed advancements in both basmati and non-basmati rice cultivation systems. Dr. S.K. Pradhan, ADG (FFC), emphasized the critical role of genome-assisted breeding, the inclusion of diverse germplasm resources, and the strengthening of pre-breeding programmes to accelerate genetic improvement and ensure sustainable rice production.

Dr. R.M. Sundaram, Director, ICAR-Indian Institute of Rice Research (ICAR-IIRR), highlighted the significance of collaborative research and institutional partnerships in advancing rice science. He also spoke on India's rice production and export scenario, emphasizing that the country possesses one of the largest research networks in the world devoted to a single crop—rice. Furthermore, he outlined the major constraints in rice cultivation as perceived by farmers and stressed the urgent need to address field-level challenges through targeted research and effective extension services.

Dr. G.A.K. Kumar, Director, ICAR-CRRI, delivered his remarks by highlighting the institute's significant contributions to rice research, technology development, and dissemination of improved cultivation practices that have strengthened rice production systems across the country.

The meeting was jointly organized by ICAR-Indian Institute of Rice Research (ICAR-IIRR), Hyderabad; ICAR-Central Rice Research Institute (ICAR-CRRI), Cuttack; ICAR-Indian Agricultural Research Institute (ICAR-IARI), New



एडवांसमेंट ऑफ राइस रिसर्च, हैदराबाद द्वारा किया गया था। कार्यक्रम का नेतृत्व आयोजक अध्यक्ष डॉ. आर.एम. सुंदरम, निदेशक, आईसीएआर-आईआईआरआर और डॉ. जी.ए.के. कुमार, निदेशक, आईसीएआर-सीआरआरआई के सक्षम नेतृत्व में किया गया। आयोजकों में डॉ. एम.एस. प्रसाद, डॉ. एम.बी.बी. प्रसाद बाबू, डॉ. एस.वी. साई प्रसाद (आईसीएआर-आईआईआरआर), डॉ. मीरा के. कर (आईसीएआर-सीआरआरआई), और डॉ. एस. गोपाल कृष्णन (आईसीएआर-आईआईआरआई) शामिल थे, जिनके सह-आयोजकों डॉ. ए. पूनम, डॉ. के. चट्टोपाध्याय, डॉ. एस.के. डैश और डॉ. आर.पी. साह के समर्पित प्रयासों ने कार्यक्रम के सुचारू संचालन को सुनिश्चित किया। चार दिवसीय कार्यक्रम के दौरान, पांच प्रमुख तकनीकी सत्र आयोजित किए गए, जिनमें प्रजनक समूह बैठक, फसल उत्पादन समूह बैठक, कीटविज्ञान समूह बैठक, रोगविज्ञान समूह बैठक और 26-2025 के लिए अनुसंधान परिणामों और प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा शामिल थी। इन सत्रों ने अनुसंधान उपलब्धियों, तकनीकी नवाचारों और भविष्य की प्राथमिकताओं पर गहन अनुशासन-वार चर्चाओं को सुगम बनाया, जिससे भारत की चावल अनुसंधान और विकास पहलों को मजबूत करने का मार्ग प्रशस्त हुआ।

5जी राइस: जलवायु-स्मार्ट कृषि के लिए जीन, जीनोम, ग्रीन, ग्रोथ और गवर्नेंस पर स्थापना दिवस सेमिनार श्रृंखला



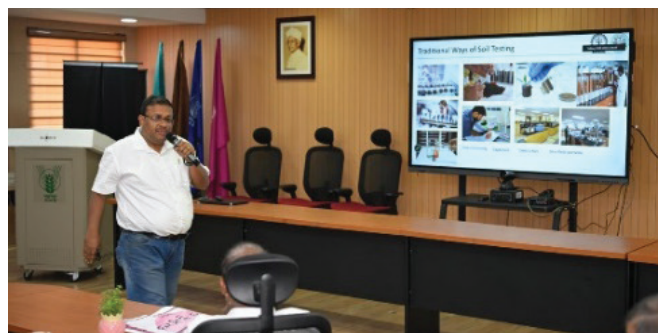
भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक के 81वें स्थापना दिवस और धान दिवस के अवसर पर 22 अप्रैल 2026 को “5जी राइस: जीन, जीनोम, ग्रीन, ग्रोथ एंड गवर्नेंस फॉर क्लाइमेट-स्मार्ट एग्रीकल्चर” विषय पर फाउंडेशन डे सेमिनार सीरीज का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम की शुरुआत 81वें स्थापना दिवस के आयोजन सचिव डॉ. कौशिक चक्रवर्ती और सह-अध्यक्ष डॉ. बिस्वजीत मोंडल के स्वागत भाषण से हुई, जिन्होंने जलवायु-स्मार्ट कृषि में उभरती चुनौतियों का समाधान करने में संगोष्ठी के विषयों के महत्व पर प्रकाश डाला। तकनीकी सत्रों में प्रमुख संस्थानों के प्रतिष्ठित वक्ताओं ने भाग लिया। डॉ. एम. के. रेड्डी, बीआरआईसी-एनआईपीजीआर, नई दिल्ली ने “लक्षित जीनोम संपादन के माध्यम से चावल उत्पादकता में सुधार” विषय पर जीन और जीनोम पर एक व्यावहारिक व्याख्यान दिया, जिसमें चावल की उत्पादकता और लचीलापन बढ़ाने में आधुनिक जीनोमिक उपकरणों की भूमिका पर जोर दिया गया। ग्रीन टेक्नोलॉजी विषय के अंतर्गत, आईआईटी खड़गपुर के डॉ. सोमसुभ्रा चक्रवर्ती ने “कृषि 5.0: उन्नत मृदा लक्षण वर्णन के



Delhi; the Association of Rice Research Workers, Cuttack; and the Society for Advancement of Rice Research, Hyderabad. The programme was led under the able leadership of Organizing Chairpersons Dr. R.M. Sundaram, Director, ICAR-IIRR, and Dr. G.A.K. Kumar, Director, ICAR-CRRI. The Convenors included Dr. M.S. Prasad, Dr. M.B.B. Prasad Babu, Dr. S.V. Sai Prasad (ICAR-IIRR), Dr. Meera K. Kar (ICAR-CRRI), and Dr. S. Gopala Krishnan (ICAR-IARI), with valuable support from Co-Convenors Dr. A. Poonam, Dr. K. Chattopadhyay, Dr. S.K. Dash, and Dr. R.P. Sah, whose dedicated efforts ensured the smooth conduct of the event.

During the four-day programme, five major technical sessions were conducted, including the Breeder's Group Meeting, Crop Production Group Meeting, Entomology Group Meeting, Pathology Group Meeting, and the Review of Research Results and Progress Report for 2025-26. These sessions facilitated in-depth discipline-wise discussions on research achievements, technological innovations, and future priorities, thereby paving the way for strengthening India's rice research and development initiatives.

Foundation Day Seminar Series on “5G Rice: Gene, Genome, Green, Growth & Governance for Climate-Smart Agriculture”



The Foundation Day Seminar Series on the theme “5G Rice: Gene, Genome, Green, Growth & Governance for Climate-Smart Agriculture” was organized on the occasion of the 81st Foundation Day & Dhan Diwas of ICAR-CRRI, Cuttack on 22 April 2026.

The programme commenced with a welcome address by Dr. Koushik Chakraborty, Organizing Secretary of the 81st Foundation Day, and Dr. Biswajit Mondal, Co-Chairman who highlighted the significance of the seminar themes in addressing emerging challenges in climate-smart agriculture. The technical sessions featured distinguished speakers from premier institutions. Dr. M.K. Reddy, BRIC-NIPGR, New Delhi, delivered an insightful lecture under the theme Gene & Genome on the topic “Improving Rice Productivity through Targeted Genome Editing”, emphasizing the role of modern genomic tools in enhancing rice productivity and resilience. Under the theme Green Technology, Dr. Somsuubhra Chakraborty, IIT Kharagpur, delivered a lecture on “Agriculture 5.0: Sensors and AI for Advanced Soil Characterization”, highlighting the integration of sensors,





डॉ. जी ए के कुमार, निदेशक, भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक ने चावल अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास, विस्तार गतिविधियों और संस्थागत विकास में संस्थान की महत्वपूर्ण उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. बी. मंडल, प्रमुख, सामाजिक विज्ञान प्रभाग के स्वागत भाषण से हुई, जिन्होंने मुख्य अतिथि, सम्मानित अतिथियों, आमंत्रित गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का हार्दिक स्वागत किया। स्थापना दिवस व्याख्यान से पहले वक्ता का परिचय डॉ. कौशिक चक्रवर्ती, आयोजन सचिव द्वारा दिया गया, जिन्होंने स्थापना दिवस व्याख्यान के महत्व का संक्षिप्त विवरण दिया। कार्यक्रम के दौरान, कई प्रकाशन विमोचित किए गए और सेवानिवृत्त कर्मचारियों, मेधावी छात्रों, अग्रणी किसानों, सर्वश्रेष्ठ श्रमिकों और सर्वश्रेष्ठ ईएपी पुरस्कार विजेताओं को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित करने के लिए एक अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर, उन्नत चावल किस्मों के प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और व्यापक प्रसार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में, आईसीएआर-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-सीआरआरआई), कटक और एरिया एग्रोटिक प्राइवेट लिमिटेड, भुवनेश्वर के बीच इनब्रेड चावल किस्म सीआर धान 310 के व्यावसायीकरण के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। मुख्य अतिथि ने पर्यावरण स्थिरता और हरित पहल को बढ़ावा देने के लिए एक प्रतीकात्मक संकेत के रूप में संस्थान परिसर में एक पौधा भी लगाया।

इसके बाद, एक किसान-वैज्ञानिक विचार-विनिमय सत्र आयोजित किया गया, जिससे किसानों को अपने अनुभव साझा करने और वैज्ञानिक मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए एक मूल्यवान मंच मिला। दोपहर के सत्र में "मधुरम" नामक एक जीवंत सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रतिभागियों द्वारा कलात्मक प्रदर्शन किया गया, जिसके बाद स्थापना दिवस समारोह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के लिए पुरस्कार वितरण किया गया। कार्यक्रम का समापन आयोजन सचिव डॉ. एम. शिवशंकरी द्वारा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिन्होंने मुख्य अतिथि, सम्मानित अतिथियों, गणमान्य व्यक्तियों, प्रतिभागियों, आयोजकों और सभी योगदानकर्ताओं को इस उत्सव को भव्य बनाने के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया।

Dr. G.A.K. Kumar, Director, ICAR-CRRI, Cuttack, highlighted the institute's significant accomplishments in rice research, technology development, extension activities, and institutional growth.

The programme commenced with a Welcome Address delivered by Dr. B. Mondal, Head, Social Science Division, who warmly welcomed the Chief Guest, Guests of Honour, invited dignitaries, and participants. Before Foundation Day lecture the speaker was introduced by Dr. Koushik Chakraborty, Organizing Secretary, who provided a brief overview of the significance of the Foundation Day Lecture. During the programme, several publications were released, and a felicitation ceremony was conducted to honour retired staff members, meritorious students, lead farmers, best workers, and Best EAP awardees in recognition of their outstanding contributions.

On this occasion, a Memorandum of Understanding (MoU) was signed between the ICAR-Central Rice Research Institute (ICAR-CRRI), Cuttack and Areia Agrotech Private Limited, Bhubaneswar for the commercialization of the inbred rice variety CR Dhan 310, marking a significant step toward technology transfer and wider dissemination of improved rice varieties. The Chief Guest also planted a sapling on the institute campus as a symbolic gesture promoting environmental sustainability and green initiatives.

Subsequently, an interactive Farmers-Scientists Interaction session was held, providing a valuable platform for farmers to share their experiences and seek scientific guidance. An exhibition showcasing the institute's recent technologies was also organized. The afternoon session featured a vibrant cultural programme titled "Madhuram," showcasing artistic performances by participants, followed by prize distribution for various competitions organized during the Foundation Day celebrations. The programme concluded with a formal Vote of Thanks delivered by Dr. M. Sivashankari, Organizing Secretary, who expressed sincere gratitude to the Chief Guest, Guests of Honour, dignitaries, participants, organizers, and all contributors for making the celebration a grand success.



भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान में 27 अप्रैल, 2026 को "आईपी और खेल: तैयार, सेट, नवाचार करें" विषय पर आधे दिन का जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम विश्व बौद्धिक संपदा दिवस 2026 के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था और इसका आयोजन सुबह 10:15 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कृषि क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने में बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर) के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता आईसीएआर-सीआरआरआई, कटक के निदेशक डॉ. जी. ए. के. कुमार ने की। इसमें बौद्धिक संपदा और कृषि नवाचार के क्षेत्रों में काम करने वाले पेशेवरों द्वारा दिए गए व्याख्यान शामिल थे। आईसीएआर-सीआरआरआई के एमेरिटस वैज्ञानिक और पूर्व निदेशक डॉ. बी.सी. पात्र ने "कृषि में आईपीआर" पर एक व्यावहारिक व्याख्यान दिया उन्होंने विभिन्न प्रकार के बौद्धिक संपदा अधिकारों पर विस्तार से बताया और कृषि अनुसंधान में प्रभावी आईपीआर प्रबंधन के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने किसानों और समाज के लाभ के लिए उनके सतत उपयोग और व्यावसायीकरण को सुनिश्चित करने के लिए वैज्ञानिक नवाचारों की रक्षा करने की आवश्यकता पर जोर दिया। भारत में मेसर्स खुराना और खुराना की जैव प्रौद्योगिकी (आईसीजीबी) में पीएचडी, एलएलबी और एक पंजीकृत पेटेंट एजेंट डॉ. श्वेता शर्मा ने "कृषि में पेटेंटिंग" पर एक व्यापक व्याख्यान दिया। उनके प्रस्तुतीकरण में पेटेंट फाइलिंग प्रक्रिया के व्यावहारिक पहलुओं को शामिल किया गया, जिसमें पूर्व कला खोज, दस्तावेजीकरण आवश्यकताएं और आवश्यक दिशानिर्देश शामिल थे। उन्होंने पेटेंट सुरक्षा के लिए पात्र कृषि नवाचारों के प्रकारों के बारे में भी बताया, जिससे यह सत्र शोधकर्ताओं और छात्रों के लिए अत्यधिक प्रासंगिक हो गया। एनआरडीसी के वैज्ञानिक अधिकारी डॉ. हरराम साहू ने "आईपी एक उत्प्रेरक के रूप में: नवाचार, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और स्टार्टअप/उद्यमिता संवर्धन को चलाने" शीर्षक से व्याख्यान दिया उन्होंने प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को सुविधाजनक बनाने और उद्यमिता को बढ़ावा देने में बौद्धिक संपदा की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम जैसे संगठनों के माध्यम से उपलब्ध वित्त पोषण के अवसरों पर भी चर्चा की और प्रतिभागियों को अनुसंधान परिणामों को व्यवहार्य उद्यमों में बदलने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में वैज्ञानिकों, छात्रों और कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। अंत में एक इंटरैक्टिव प्रश्न-उत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिससे प्रतिभागियों को वक्ताओं के साथ जुड़ने और आईपीआर, पेटेंटिंग और नवाचार-संचालित उद्यमिता के विभिन्न पहलुओं पर स्पष्टीकरण प्राप्त करने में मदद मिली। कार्यक्रम का समापन अध्यक्ष के वक्तव्य के साथ हुआ, जिसमें कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में नवाचार और सतत विकास के प्रमुख चालक के रूप में बौद्धिक संपदा के महत्व को सुदृढ़ किया गया।

A half-day Awareness Programme was organized at the ICAR-Central Rice Research Institute on 27 April 2026, under the theme "IP and Sports: Ready, Set, Innovate." The programme was conducted as part of the observance of World Intellectual Property Day 2026. The primary objective of the programme was to enhance awareness regarding the importance of Intellectual Property Rights (IPR) in fostering innovation, particularly within the agricultural sector.

The programme was chaired by Dr. G.A.K. Kumar, Director of ICAR-CRRI, Cuttack. It included lectures delivered by professionals working in the areas of intellectual property and agricultural innovation.

Dr. B. C. Patra, Emeritus Scientist and former Director of ICAR-CRRI, delivered an insightful lecture on "IPR in Agriculture." He elaborated on various types of intellectual property rights and emphasized the importance of effective IPR management in agricultural research. He underscored the need to protect scientific innovations to ensure their sustainable utilization and commercialization for the benefit of farmers and society.

Dr. Shweta Sharma, Ph.D. in Biotechnology (ICGEB), LLB, and a Registered Patent Agent of M/s Khurana and Khurana, in India, delivered a comprehensive lecture on "Patenting in Agriculture." Her presentation covered practical aspects of the patent filing process, including prior art searches, documentation requirements, and essential guidelines. She also explained the types of agricultural innovations eligible for patent protection, making the session highly relevant for researchers and students.

Dr. Hareram Sahoo, Scientific Officer, NRDC delivered a lecture titled "IP as a Catalyst: Driving Innovation, Technology Transfer and Startup/Entrepreneurship Promotion." He highlighted the role of intellectual property in facilitating technology transfer and fostering entrepreneurship. He also discussed funding opportunities available through organizations such as the National Research Development Corporation and encouraged participants to translate research outcomes into viable entrepreneurial ventures.

The programme witnessed active participation from scientists, students, and staff members. An interactive question-and-answer session was conducted at the end, enabling participants to engage with the speakers and seek clarification on various aspects of IPR, patenting, and innovation-driven entrepreneurship.

The programme concluded with the Chair's remarks, reinforcing the importance of intellectual property as a key driver of innovation and sustainable development in agriculture and allied sectors.

भारतीय मृदा विज्ञान सोसायटी (आईएसएसएस), कटक चैप्टर द्वारा विशिष्ट व्याख्यान



भारतीय मृदा विज्ञान सोसायटी (आईएसएसएस), कटक चैप्टर ने 30 अप्रैल 2026 को एक एक प्रतिष्ठित व्याख्यान आयोजन किया जिसमें प्रसिद्ध मृदा वैज्ञानिक और शिक्षाविद प्रो. बिस्वपति मंडल द्वारा "क्रेडीटिंग कार्बन टू फार्मर्स-टू मनी रिवर्स टू क्रॉस" विषय पर सारगर्भित व्याख्यान दिया। इस व्याख्यान में संस्थान के प्रभाग प्रमुखों, वैज्ञानिकों, छात्रों और तकनीकी कर्मचारियों सहित 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया। व्याख्यान की शुरुआत आईसीएआर-सीआरआरआई के निदेशक डॉ. जी.ए.के. कुमार द्वारा अतिथि वक्ता के स्वागत के साथ हुई। वक्ता प्रो. बिस्वपति मंडल का परिचय डॉ. देबरती भादुरी, सचिव, आईएसएसएस, कटक चैप्टर ने श्रोताओं के समक्ष किया। प्रो. मंडल ने भारतीय कृषि में कार्बन क्रेडिट की वर्तमान स्थिति और भविष्य के बारे में एक ज्वलंत और विस्तृत प्रस्तुति दी थी। वैज्ञानिकों और अतिथि वक्ता द्वारा एक अंतर्दृष्टिपूर्ण व्याख्यान के बाद फलदायी चर्चा और बातचीत की गई। व्याख्यान का समापन संस्थान के निदेशक द्वारा प्रो. बिस्वपति मंडल के अभिनंदन के साथ होता है। धन्यवाद प्रस्ताव डॉ. अंजनी कुमार, कोषाध्यक्ष, आईएसएसएस, कटक चैप्टर द्वारा दिया गया।

भाकृअनुप-सीआरआरआई ने ई-ऑफिस में फंक्शनल फाइल नंबरिंग सिस्टम पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया

अपने प्रशासनिक और वित्तीय कार्यप्रवाहों के आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम में, आईसीएआर-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआई) ने ई-ऑफिस पहल के तहत पारंपरिक फाइल प्रबंधन से कार्यात्मक फाइल नंबरिंग सिस्टम (एफएफएनएस) में परिवर्तन पर केंद्रित एक व्यापक क्षमता-निर्माण कार्यक्रम 04.05.2026 को आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन आईसीएआर-सीआरआरआई के निदेशक डॉ. जी.ए.के. कुमार ने किया, जिन्होंने इसके समय पर कार्यान्वयन की आवश्यकता पर जोर दिया। डॉ. पी. पन्नैरसेल्वम प्रधान वैज्ञानिक और मानव संसाधन विकास नोडल अधिकारी ने इस तरह की क्षमता निर्माण पहलों के लिए पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। प्रशिक्षण आईसीएआर-आईएआरआई, असम के सीएओ श्री सरोज कुमार सिंह और आईसीएआर-सीआरआरआई के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी श्री वी. गणेश कुमार द्वारा दिया गया, जिसमें आधिकारिक रिकॉर्ड के पूरे जीवनचक्र, क्लास ए, बी और सी के तहत बंद फाइलों का वर्गीकरण, रिकॉर्ड प्रतिधारण कार्यक्रम और वीडिंग प्रक्रियाएं शामिल थीं। धारा-आधारित फाइलिंग प्रणाली से गतिविधि-आधारित एफएफएनएस में परिवर्तन पर विशेष जोर दिया गया, जिसमें बुनियादी, प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक प्रमुखों की पदानुक्रमित संरचना और मानक अल्फा कोड का उपयोग शामिल है। पूर्व और बाद के प्रशिक्षण आकलन में प्रतिभागियों की नई ई-ऑफिस प्रक्रियाओं की समझ में महत्वपूर्ण सुधार दिखा, जो कार्यक्रम की प्रभावशीलता और डिजिटल प्रणाली को अपनाने के लिए कर्मचारियों की तत्परता को दर्शाता है। एफएफएनएस संस्थागत अभिलेखों के व्यवस्थित विषय-आधारित समूहीकरण की सुविधा प्रदान करेगा और विभागीय पुनर्गठन के दौरान फाइलों के नुकसान या गलत स्थान पर जाने से रोकने में मदद करेगा। आईसीएआर-सीआरआरआई के वरिष्ठ वित्त एवं लेखा अधिकारी श्री ऋषि कान्त सिंह ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया और कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए क्षेत्रीय समन्वयकों, आईसीएआर आईसीटी टीम, भाग लेने वाले संस्थानों के निदेशकों और भाकृअनुप-सीआरआरआई टीम के समर्थन को स्वीकार किया।

Distinguished Lecture by Indian Society of Soil Science (ISSS), Cuttack Chapter



A distinguished lecture on "Crediting Carbon to Farmers' Coffers- Too Many Rivers to Cross" by Prof. Biswapati Mandal, a renowned Soil Scientist and Academician, was organized by Indian Society of Soil Science (ISSS), Cuttack Chapter on 30 April 2026. The lecture was attended by 100 participants including heads of the division, scientists, students and technical staffs of the institute. The lecture started with welcome of guest speaker by Dr. G.A.K. Kumar, Director, ICAR-CRRI. The speaker Prof. Biswapati Mandal was introduced by Dr. Debarati Bhaduri, Secretary, ISSS, Cuttack Chapter before the audience. Prof. Mandal had delivered a vivid and elaborate presentation about the current status and future of carbon credit in Indian agriculture. After an insightful lecture fruitful discussion and interaction was made by the scientists and the guest speaker. The lecture concludes with felicitation of Prof. Biswapati Mandal by Director of the institute. The vote of thanks was delivered by Dr. Anjani Kumar, Treasurer, ISSS, Cuttack Chapter.

ICAR-CRRI Conducts Capacity Building Programme on Functional File Numbering System in e-Office

ICAR-Central Rice Research Institute (ICAR-CRRI), Cuttack, successfully conducted a capacity-building programme on the Functional File Numbering System (FFNS) under the e-Office initiative on 4 May 2026, in accordance with the Council's communication regarding its mandatory implementation.

The programme was inaugurated by Dr. G.A.K. Kumar, Director, ICAR-CRRI, who emphasized the need for its timely implementation. Dr. P. Panneerselvam, Principal Scientist and HRD Nodal Officer, assured full support for such capacity-building initiatives.

The training was delivered by Shri Saroj Kumar Singh, CAO, ICAR-IARI, Assam, and Shri V. Ganesh Kumar, Senior Administrative Officer, ICAR-CRRI, covering the complete lifecycle of official records, classification of closed files under Classes A, B and C, record retention schedules and weeding procedures. Special emphasis was given to the transition from the section-based filing system to the activity-based FFNS, including the hierarchical structure of Basic, Primary, Secondary and Tertiary heads and the use of standard alpha codes.

The pre- and post-training assessments showed a significant improvement in participants' understanding of the new e-Office procedures, demonstrating the effectiveness of the programme and the readiness of staff to adopt the digital system. The FFNS will facilitate systematic subject-based grouping of institutional records and help prevent the loss or misplacement of files during departmental reorganization.

Shri Rishi Kant Singh, Senior Finance & Accounts Officer, ICAR-CRRI, proposed the vote of thanks and acknowledged the support of the Zonal Coordinators, ICAR ICT team, Directors of the participating institutes and the ICAR-CRRI team for the successful conduct of the programme.

सतत कृषि के लिए औद्योगिक उप-उत्पादों के पर्यावरण-अनुकूल उपयोग पर भाकृअनुप-सीआरआरआई में राष्ट्रीय स्तर की बहु-हितधारक कार्यशाला का आयोजन



National-Level Multi-Stakeholder Workshop on Eco-Friendly Utilization of Industrial By-products for Sustainable Agriculture Organized at ICAR-CRRI



भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक ने ओडिशा सरकार के डीए एंड एफई द्वारा वित्त पोषित सफ़र परियोजना के तहत 19 जून 2026 को "उर्वरक विकल्पों के रूप में औद्योगिक उप-उत्पादों का पर्यावरण अनुकूल उपयोग और सतत कृषि के लिए एसिड मृदा प्रबंधन" और ओडिशा सरकार के एसपीसीबी द्वारा वित्त पोषित «फ्लाई ऐश संशोधित मृदा में भारी धातुओं का एकीकृत जैव-स्थिरीकरण» परियोजना पर राष्ट्रीय स्तर की बहु-हितधारक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में बड़े पैमाने पर इकोलाइम + को अपनाने और टिकाऊ कृषि के लिए बुनियादी स्लेग, फ्लाई ऐश और फॉस्फोजिप्सम जैसे औद्योगिक उप-उत्पादों के उपयोग पर चर्चा करने के लिए नीति निर्माताओं, वैज्ञानिकों, उद्योग प्रतिनिधियों, उद्यमियों और किसानों को एक साथ लाया गया। उद्घाटन सत्र में श्री सचिन रामचंद्र जाधव, आईएसएस, प्रधान सचिव, डीए एंड एफई, ओडिशा सरकार, मुख्य अतिथि के रूप में और श्री शुभ्रांशु मिश्रा, अतिरिक्त सचिव, डीए एंड एफई, अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाकृअनुप-सीआरआरआई के निदेशक डॉ. जी ए के कुमार ने की। गणमान्य व्यक्तियों ने प्रभावी अम्ल मृदा प्रबंधन और फसल उत्पादकता बढ़ाने के लिए सरकारी कार्यक्रमों के माध्यम से इकोलाइम + को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया। परियोजना की उपलब्धियों को प्रस्तुत करते हुए, डॉ. प्रताप भट्टाचार्य, अध्यक्ष, फसल उत्पादन प्रभाग और सफ़र परियोजना के प्रमुख अन्वेषक ने प्रकाश डाला कि इकोलाइम + को ओडिशा के छह जिलों में 1,200 हेक्टेयर से अधिक में मान्य किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप मिट्टी के पीएच में %10-2 सुधार, %16-8 अधिक चावल की उपज, %19-12 अधिक हरी मूंग की उपज और डीएपी उर्वरक की आवश्यकता में लगभग %15 की कमी आई है। कार्यशाला में डीए एंड एफई के अधिकारियों, वैज्ञानिकों, केवीके, एफपीओ, किसानों और आरएम एग्रिको प्राइवेट लिमिटेड, टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू, हार्सको इंडिया, इफको, डालमिया और उरवारक इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड जैसे उद्योगों के प्रतिनिधियों सहित 100 से अधिक हितधारकों ने भाग लिया। प्रौद्योगिकी स्कैलिंग के लिए उद्योग भागीदारों के साथ समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान किया गया और प्रगतिशील किसानों को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। औद्योगिक उप-उत्पादों से इकोलाइम+ और भविष्य के उर्वरक विकल्पों को मुख्यधारा में लाने पर दो पैनल चर्चाओं का समापन सरकारी कार्यक्रमों में इकोलाइम+ को एकीकृत करने के लिए एक रोडमैप के साथ हुआ। फसल उत्पादन प्रभाग की वैज्ञानिक और आयोजन सचिव डॉ. रुबीना खानम ने धन्यवाद दिया।

ICAR-Central Rice Research Institute (ICAR-CRRI), Cuttack, organized a National-Level Multi-Stakeholder Workshop on "Eco-friendly Utilization of Industrial By-products as Fertilizer Alternatives and Acid Soil Management for Sustainable Agriculture" on 19 June 2026 under the SAFAR Project funded by DA&FE, Government of Odisha, and the "Integrated Bio-stabilization of Heavy Metals in Fly Ash Amended Soils" project funded by SPCB, Government of Odisha.

The workshop brought together policymakers, scientists, industry representatives, entrepreneurs, and farmers to discuss the large-scale adoption of EcoLime+ and the utilization of industrial by-products such as basic slag, fly ash, and phosphogypsum for sustainable agriculture. The inaugural session was graced by Shri Sachin Ramchandra Jadhav, IAS, Principal Secretary, DA&FE, Government of Odisha, as the Chief Guest and Shri Shubhanshu Mishra, Additional Secretary, DA&FE, as the Guest of Honour. The programme was presided over by Dr. G.A.K. Kumar, Director, ICAR-CRRI. The dignitaries emphasized the importance of promoting EcoLime+ through government programmes for effective acid soil management and enhanced crop productivity. Presenting the project achievements, Dr. Pratap Bhattacharyya, Head, Crop Production Division and Principal Investigator of the SAFAR Project, highlighted that EcoLime+ has been validated in over 1,200 hectares across six districts of Odisha, resulting in 2–10% improvement in soil pH, 8–16% higher rice yield, 12–19% higher green gram yield, and nearly 15% reduction in DAP fertilizer requirement. The workshop witnessed participation from more than 100 stakeholders, including officials from DA&FE, scientists, KVKs, FPOs, farmers, and representatives from industries such as RM Agrico Pvt. Ltd., Tata Steel, JSW, Harsco India, IFFCO, Dalmia, and Urvarak Industries Pvt. Ltd. MoUs were exchanged with industry partners for technology scaling, and progressive farmers were felicitated for their contributions. Two panel discussions on mainstreaming EcoLime+ and future fertilizer alternatives from industrial by-products concluded with a roadmap for integrating EcoLime+ into government programmes. Dr. Rubina Khanam, Scientist, Crop Production Division and Organizing Secretary, proposed the vote of thanks.

कृषि फोटोवोल्टिक्स (एग्री-पीवी) जागरूकता कार्यक्रम

Agriphotovoltaics (Agri-PV) Awareness Programme

कृषि विज्ञान केंद्र, कटक ने 25 जून, 2026 को भाकृ अनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान के के. रामैया सम्मेलन कक्ष में भारतीय कृषि कौशल परिषद् (एससीआई) के सहयोग से कृषि फोटोवोल्टिक्स (एग्री-पीवी) पर एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में लगभग 45 किसान, महिला किसान और ग्रामीण युवाओं ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य कृषि फोटोवोल्टिक्स के बारे में जागरूकता पैदा करना था, जो एक अभिनव उपाय है जिससे एक ही भूमि पर फसल की खेती को सौर ऊर्जा उत्पादन के साथ एकीकृत होता है, एवं इससे भूमि उपयोग दक्षता, कृषि आय और पर्यावरणीय स्थिरता बढ़ती है। डॉ. डीआर सड़गी, एसएमएस (मृदा विज्ञान) ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और टिकाऊ कृषि और ऊर्जा सुरक्षा की चुनौतियों का समाधान करने में एग्री-पीवी की क्षमता पर प्रकाश डाला। एससीआई के महाप्रबंधक श्री श्री तोष कुमार पंडा ने कृषि फोटोवोल्टिक्स की अवधारणा, मॉडल और लाभों पर एक तकनीकी सत्र दिया, जबकि एससीआई के महाप्रबंधक श्री अमृत ब्राह ने सह-प्रशिक्षक के रूप में कार्य किया और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में सफल केस स्टडी, सरकारी पहल और कौशल विकास के अवसरों को साझा किया। एससीआई टीम ने कृषि-पीवी प्रणालियों के बारे में किसानों की समझ को बढ़ाने के लिए समूह गतिविधियां और सहभागी अभ्यास भी आयोजित किए। कटक के केवीके के वरिष्ठ वैज्ञानिक और प्रमुख डॉ. रंजन कुमार मोहंता ने खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा मांग और जलवायु परिवर्तन से संबंधित भविष्य की चुनौतियों का समाधान करने के लिए कृषि के साथ नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों को एकीकृत करने के महत्व पर जोर दिया। डॉ. राजन कंबोज, एसएमएस (पादप संरक्षण) और श्रीमती बी. मौनिका, एसएमएस (कृषि विस्तार) ने प्रतिभागियों को उभरती कृषि प्रौद्योगिकियों के बारे में जानकारी रखने और उनके प्रभावी अपनाने के लिए क्षमता-निर्माण कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का समापन एक विचार आदान-प्रदान चर्चा सत्र के साथ हुआ, जिसके दौरान प्रतिभागियों ने अपने विचार साझा किए और एग्रीफोटोवोल्टिक प्रणालियों को अपनाने के बारे में अपने प्रश्नों को स्पष्ट किया। डॉ. गायत्री सिन्हा, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी और श्री प्रशांत प्रधान, तकनीकी अधिकारी ने कार्यक्रम का समन्वय किया और सुचारू संचालन किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

इस अवधि के दौरान, संस्थान, इसके क्षेत्रीय केंद्रों और कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा मेरा गांव मेरा गौरव (एमजीएमजी) पहल के तहत कई प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें उर्वरकों के संतुलित उपयोग और खेत बचाओ अभियान पर ध्यान केंद्रित किया गया।



Krishi Vigyan Kendra (KVK), Cuttack, organized an Awareness Workshop on Agriphotovoltaics (Agri-PV) in collaboration with the Agriculture Skill Council of India (ASCI) at ICAR-Central Rice Research Institute (ICAR-CRRI), on 25 June 2026. Around 45 farmers, farm women, and rural youth participated in the programme. The workshop aimed to create awareness about Agriphotovoltaics, an innovative approach that integrates crop cultivation with solar energy generation on the same land, enhancing land-use efficiency, farm income, and environmental sustainability. Dr. D. R. Sarangi, SMS

(Soil Science), welcomed the participants and highlighted the potential of Agri-PV in addressing the challenges of sustainable agriculture and energy security. Mr. Santosh Kumar Panda, General Manager, ASCI, delivered a technical session on the concept, models, and benefits of Agriphotovoltaics, while Mr. Amrit Brah, General Manager, ASCI, served as co-trainer and shared successful case studies, government initiatives, and skill development opportunities in the renewable energy sector. The ASCI team also conducted group activities and participatory exercises to enhance farmers' understanding of Agri-PV systems. Dr. Ranjan Kumar Mohanta, Senior Scientist and Head, KVK, Cuttack, emphasized the importance of integrating renewable energy technologies with agriculture to address future challenges related to food security, energy demand, and climate change. Dr. Rajan Kamboj, SMS (Plant Protection) and Mrs. B. Mounika, SMS (Agricultural Extension) encouraged participants to stay informed about emerging agricultural technologies and actively engage in capacity-building programmes for their effective adoption. The programme concluded with an interactive discussion session during which participants shared their views and clarified their queries regarding the adoption of Agriphotovoltaic systems. Dr. Gayatri Sinha, Technical Officer, and Mr. Prasanta Pradhan, Technical Officer, coordinated the programme and ensured its smooth conduct.

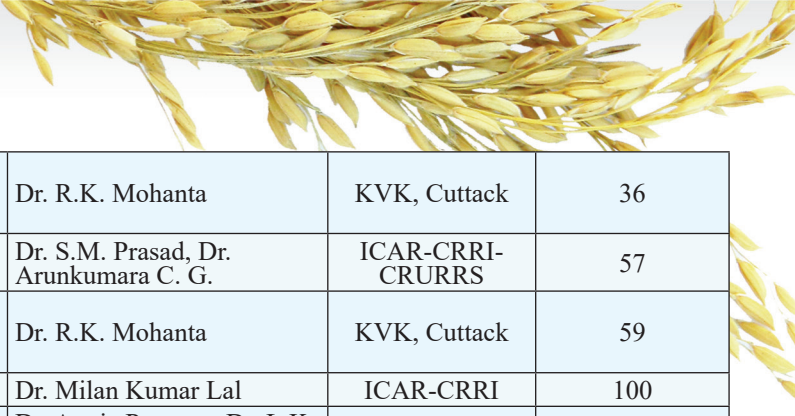
Training Programmes

During the period, several training programmes were organized by the Institute, its Regional Stations, and KVKs under the *Mera Gaon Mera Gaurav (MGMG)* initiative, focusing on the theme "Balanced Use of Fertilizers and Khet Bachao Abhiyan."

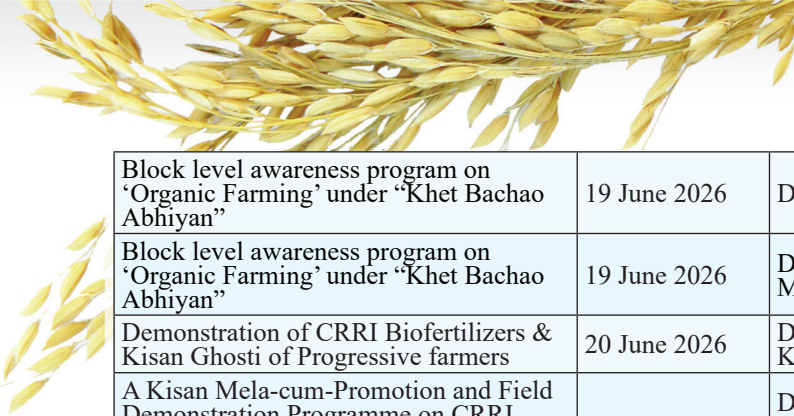
Title of the training	Duration/Date	Course Director & Coordinators	Sponsor	No. of participants
An awareness training program on 'Acid soil management and balanced use of fertilizer' at Ranto village under Lathikata block of Sundargarh district	6 April 2026	Dr. P. Bhattacharyya	ICAR-CRRI	115
Improved Mechanized Practices and RMO Facility at Rural Locations for Enhancing Farm Profitability at Bargaon, Katapali (Bargarh block) Kamgaon, Baulasingha (Bhatli block)	24-27 April 2026	Dr. P.C. Jena	ICAR-CRRI	152
Training-cum-awareness program on 'Balanced Use of Fertilizers' at Bangirisinga, Badamba	29 April 2026	Dr. D.R. Sarangi and Dr. R. Kamboj	KVK, Cuttack	50
Training-cum-awareness program on 'Balanced Use of Fertilizers' at Mangarajpur, Badamba	29 April 2026	Dr. D.R. Sarangi and Dr. R. Kamboj	KVK, Cuttack	50

Awareness program on “Science-based Nutrient and Agrochemical Management” at Village Kasiadih, Churchu Block, Hazaribagh	4 May 2026	Dr. S.M. Prasad, Dr. Somnath Roy, Dr. Soumya Saha, Dr. Arunkumara C.G., Shri Bheemraj Meena	ICAR-CRRI-CRURRS	45
Science-based Nutrient and Input Management” and Balanced fertilization	7 May 2026	Dr. S.M. Prasad, Dr. B.C. Verma, Dr. Arunkumara C.G., Shri Bheemraj Meena	ICAR-CRRI-CRURRS	36
A five-day Incubation Program on the balanced use of CRRI Biofertilizers	4-8 May 2026	Dr. U. Kumar, Dr. Dibyendu Chatterjee	ICAR-CRRI	25
An Awareness and Training Program for Farmers on Balanced Fertilizer Use	9 May 2026	Dr. P. Bhattacharyya, Dr. Rubina Khanam	ICAR-CRRI	20
Awareness programme on balanced use of fertilizers was organized at Jagarnathpur village of Cuttack district	11 May 2026	Dr. Rubina Khanam, Dr. D.R. Sarangi	ICAR-CRRI	40
Awareness Campaign on “Science-based Nutrient and Input Management” was organized by ICAR-CRRI (CRURRS, Hazaribag) at Pundi Panchayat Bhawan, Mandu, Ramgarh	11 May 2026	Dr. S.M. Prasad, Dr. Priyamedha, Dr. Arunkumara C.G., Shri Bheemraj Meena	ICAR-CRRI-CRURRS	25
Science-based Nutrient and Input Management	11 May 2026	Dr. S.M. Prasad, Dr. Priyamedha, Dr. Arunkumara C.G.	ICAR-CRRI-CRURRS	31
Optimizing Irrigation for Enhancing Fertilizer Use Efficiency	12 May 2026	Dr. Sangita Mohanty	ICAR-CRRI	35
An Awareness and Training Program for Farmers on Balanced Fertilizer Use	14 May 2026	Dr. B. Kiran Gandhi, Dr. Shyam CS	ICAR-CRRI-RCRRS	52
An Awareness and Training Program for Farmers on Balanced Fertilizer Use	14 May 2026	Dr. B. Kiran Gandhi, Dr. K. Koteswararao	ICAR-CRRI-RCRRS	24
An Awareness and Training Program for Farmers on Balanced Fertilizer Use	14 May 2026	Dr. A.K. Mukherjee, Dr. M.K. Bag, Dr. N.N. Jambhulkar	ICAR-CRRI	150
An Awareness and Training Program for Farmers on Balanced Fertilizer Use	14 May 2026	Dr. P. Bhattacharyya, Dr. Rubina Khanam	ICAR-CRRI	30
Training-cum-awareness program on ‘Balanced Use of Fertilizers’	14 May 2026	Dr. R.K. Mohanta	KVK, Cuttack	35
Balanced use of Fertilizer for better nutrient management and Crop Production through different Technologies	15 May 2026	Dr. P.C. Jena, Dr. Mridul Chakraborty, Er. Bhupendra, Dr. Biswajit Mondal, Shri Tapas Behera, Shri Sarat Chandra Sahu and Shri Ankit Anand	ICAR-CRRI	350
Science-based Nutrient and Input Management	15 May 2026	Dr. S.M. Prasad, Dr. B.C. Verma, Dr. S. Bhagat, Dr. S. Saha, Dr. Arunkumara C.G., Shri Bheemraj Meena	ICAR-CRRI-CRURRS	37
Science-based fertilizer input management for sustainable agriculture	15 May 2026	Dr. B. Mondal, Dr. Annie Poonam, Dr. S.K. Lenka, Dr. M.K. Bag, Dr. N. Basak, Dr. S.K. Repalli	ICAR-CRRI	40
Balanced Fertilizer Use through Efficient Nutrient Management and Improved Crop Production through Advanced Technologies	17 May 2026	Dr. P.C. Jena, Dr. Mridul Chakraborty, Er. Bhupendra Ghritlaher, Dr. Annamalai M., Shri Tapas Behera, Shri Debrabrat Das and Shri Prashant Jena	ICAR-CRRI	220
Kisan Mela cum promotion and field demonstration of CRRI technologies for soil health improvement and awareness on balance fertilizer use	17 May 2026	Dr. P.C. Jena, Dr. Panneerselvam, Dr. B. Mandal, Er. Bhupendra Ghritalahre., Shri Sarat Chandra Sahu,	ICAR-CRRI	220
Science-based Nutrient and Input Management” and Balanced fertilization	18 May 2026	Dr. S.M. Prasad, Shri Bheemraj Meena	ICAR-CRRI-CRURRS	51
Climate-Smart Agricultural Practices for Balanced Fertilization, IPM and Sustainable Soil Health	19-20 May 2026	Dr. M.K. Kar, Dr. Lambodhar Behera, Dr. Sangita Mohanty, Dr. Jeevan B, Dr. Raghu S, Shri Debabrata Dash		121

Balanced Fertilizer Application and Quality Production of Climate-Resilient Rice Varieties	19 May 2026	Dr. S.K. Dash, Dr. S. Mondal, Dr. S.K. Naik	ICAR-CRRI	72
Science-based Nutrient and Input Management” and Balanced fertilization	20 May 2026	Dr. S.M. Prasad, Dr. B.C. Verma, Dr. Arunkumara C.G., Shri Bheemraj Meena	ICAR-CRRI-CRURRS	42
One-day awareness cum- training program on “Balanced use of fertilizers/ Adoption of science based nutrient management	20 May 2026	Dr. Annie Poonam, Dr. Upendra Kumar, Dr. Srikanta Lenka, Dr. Sudipta Paul, by Dr. Sushanta Kumar Naik, Dr. Dibyendu Chatterjee	ICAR-CRRI	30
Balanced Use of Fertilizers and Plant Protection Chemicals in Rice-based Production Systems	21 May 2026	Dr. Sudipta Paul, Dr. J. Meher, Dr. D. Bhaduri, Dr. K. A. Molla, and Dr. M. Annamalai	ICAR-CRRI	54
Balanced Fertilizer Use for Efficient Nutrient Management and Enhanced Crop Production through Advanced Technologies	22 May 2026	Dr. P.C. Jena, Er. Bhupendra Ghritalahre., Shri A. Anand, Shri Tapas Behera	ICAR-CRRI	238
Training-cum-awareness program on ‘Balanced Use of Fertilizers’	22 May 2026	Dr. D.R. Sarangi	KVK, Cuttack	20
Balanced use of fertilizers	26 May 2026	Dr. Biswajit Mondal, Dr. Sudipta Paul, Dr. Raghavendra Goud, Dr. Sai Krishna Repalli, Sri Amit Kumar Maity	ICAR-CRRI	55
Balanced use of fertilizers	27 May 2026	Dr. Biswajit Mondal, Dr. Sudipta Paul, Dr. Raghavendra Goud, Dr. Sai Krishna Repalli, Sri Amit Kumar Maity	ICAR-CRRI	86
Balanced use of fertilizers	28 May 2026	Dr. Biswajit Mondal, Dr. Sudipta Paul, Dr. Raghavendra Goud, Dr. Sai Krishna Repalli, Sri Amit Kumar Maity	ICAR-CRRI	45
Balanced use of fertilizers	29 May 2026	Dr. Biswajit Mondal, Dr. Sudipta Paul, Dr. Raghavendra Goud, Dr. Sai Krishna Repalli, Sri Amit Kumar Maity	ICAR-CRRI	76
Demonstration of CRRI Biofertilizers & Kisan Ghosti of Progressive farmers	29 May 2026	Dr. Krishnendu Chattopadhyay, Dr. Dibyendu Chatterjee, Dr. Biswajit Sen, Dr. Jeevan B, Shri Brindaban Dash	ICAR-CRRI	51
Balance Fertilizer use for Sustainable Crop Production	29 May 2026	Dr. P.C. Jena, Shri A. Anand, Shri Tapas Behera	ICAR-CRRI	186
Science-based Nutrient and Input Management	1 June 2026	Dr. B C Verma, Dr. S. Bhagat, Dr. Soumya Saha	ICAR-CRRI-CRURRS	43
Science-based Nutrient and Input Management for Balanced Fertilization	2 June 2026	Dr. S.M. Prasad, Dr. Arunkumara C. G.,	ICAR-CRRI-CRURRS	65
Science-based Nutrient and Input Management for Balanced Fertilization	3 June 2026	Dr. S.M. Prasad, Dr. S. Bhagat	ICAR-CRRI-CRURRS	68
Balanced use of fertilizer through different crop production and protection technologies for Sustainable Crop Production	3 June 2026	Dr. Prakash Chandra Jena, Dr. Gaurav Kumar, Dr. Biswajit Mondal, Mr. Ankit Anand, Mr. Padmalochan Dehury, Mr. Tapas Behera	ICAR-CRRI	500
Training program on “Scientific Dairy Farming” along with “Khet Bachao Abhiyan”	3 June 2026	Dr. R.K. Mohanta	KVK, Cuttack	75
Training program on “Khet Bachao Abhiyan”	3 June 2026	Dr. D.R. Sarangi	KVK, Cuttack	82
Balanced Use of Fertilizers and Plant Protection Chemicals	4 June 2026	Dr. Sudipta Paul, Dr. Debarati Bhaduri, Shri S.K. Mohapatra	ICAR-CRRI	45



Training program on “Scientific Dairy Farming,” along with “Khet Bachao Abhiyan”	4 June 2026	Dr. R.K. Mohanta	KVK, Cuttack	36
Healthy Soil – Empowered Farmers – Prosperous India	5 June 2026	Dr. S.M. Prasad, Dr. Arunkumara C. G.	ICAR-CRRI-CRURRS	57
Training program on “Scientific Dairy Farming,” along with “Khet Bachao Abhiyan”	5 June 2026	Dr. R.K. Mohanta	KVK, Cuttack	59
Balanced Use of Fertilizers	8 June 2026	Dr. Milan Kumar Lal	ICAR-CRRI	100
Improving soil health through balanced use of fertilizers	8 June 2026	Dr. Annie Poonam, Dr. L.K. Bose, Dr. M.K. Bag, Dr. S.K. Lenka, Dr. Anilkumar C, Dr. S.K. Repalli	ICAR-CRRI	56
Healthy Soil – Empowered Farmers – Prosperous India	9 June 2026	Dr. S.M. Prasad, Dr. Soumya Saha, Shri Bheemraj Meena	ICAR-CRRI-CRURRS	40
Balanced Use of Fertilizers and Plant Protection Chemicals	9 June 2026	Dr. Golive Prasanthi	ICAR-CRRI	100
Balanced Use of Fertilizers	9 June 2026	Dr. B. Kiran Gandhi, Dr. Shyam CS	ICAR-CRRI-RCRRS	30
FPC Training on CRRI Biofertilizers	9 June 2026	Dr. Annie Poonam, Dr. L.K. Bose, Dr. M.K. Bag, Dr. S.K. Lenka, Dr. Anilkumar C, Dr. S.K. Repalli	ICAR-CRRI	55
Training program on “Integrated Nutrient Management in Rice”	9 June 2026	Dr. D.R. Sarangi	KVK, Cuttack	45
Training-cum-awareness program on “Khet Bachao Abhiyan”	10 June 2026	Dr. R.K. Mohanta	KVK, Cuttack	42
Sustaining the Soil Health by adopting Biofertilizer and integrated nutrient management	10 June 2026	Dr. Annie Poonam, Dr. L.K. Bose, Dr. M.K. Bag, Dr. S.K. Repalli	ICAR-CRRI	48
Balanced Fertilizer Application and Agricultural Land Security	10 June 2026	Dr. Prakash Chandra Jena, Dr. Annamalai M., Er. Bhupendra Ghritalahre, Shri Tapas Behera	ICAR-CRRI	150
Training-cum-awareness program on “Khet Bachao Abhiyan”	11 June 2026	Dr. R.K. Mohanta & all KVK experts	KVK, Cuttack	102
Training-cum-awareness program on “Khet Bachao Abhiyan”	11 June 2026	Dr. R.K. Mohanta	KVK, Cuttack	74
Demonstration of CRRI Biofertilizers & Kisan Ghosti of Progressive farmers	15 June 2026	Dr. R.L. Verma, Dr. Awadesh Kumar, Dr. Sobha Rani, Dr. Sai Krishna Repalli	ICAR-CRRI	85
Demonstration of CRRI Biofertilizers & Kisan Ghosti of Progressive farmers	16 June 2026	Dr. R.L. Verma, Dr. Awadesh Kumar, Dr. Sobha Rani, Dr. Sai Krishna Repalli	ICAR-CRRI	94
Demonstration of CRRI Biofertilizers & Kisan Ghosti of Progressive farmers	17 June 2026	Dr. R.L. Verma, Dr. Awadesh Kumar, Dr. Sobha Rani, Dr. Sai Krishna Repalli	ICAR-CRRI	125
Kisan Mela cum promotion and field demonstration of CRRI technologies for soil health improvement and awareness on balance fertilizer use	17 June 2026	Dr. Prakash Chandra Jena, Dr. Panneerselvam, Dr. B. Mandal, Er. Bhupendra Ghritalahre., Shri Sarat Chandra Sahu	ICAR-CRRI	171
Demonstration of CRRI Biofertilizers & Kisan Ghosti of Progressive farmers	18 June 2026	Dr. U. Kumar, Dr. Sai Krishna Repalli	ICAR-CRRI	97
Training-cum-awareness program on “Khet Bachao Abhiyan”	18 June 2026	Dr. DR Sarangi, Dr. R Kamboj & Mrs. B Mounika	KVK, Cuttack	76
Training-cum-awareness program on “Khet Bachao Abhiyan”	18 June 2026	Dr. DR Sarangi, Dr. R Kamboj & Mrs. B Mounika	KVK, Cuttack	38
Demonstration of CRRI Biofertilizers & Kisan Ghosti of Progressive farmers	19 June 2026	Dr. U. Kumar, Dr. Sai Krishna Repalli	ICAR-CRRI	96



Block level awareness program on 'Organic Farming' under "Khet Bachao Abhiyan"	19 June 2026	Dr. R.K. Mohanta	KVK, Cuttack	107
Block level awareness program on 'Organic Farming' under "Khet Bachao Abhiyan"	19 June 2026	Dr. R Kamboj, Mrs. B Mounika	KVK, Cuttack	152
Demonstration of CRRI Biofertilizers & Kisan Ghosti of Progressive farmers	20 June 2026	Dr. U. Kumar, Dr. Sai Krishna Repalli	ICAR-CRRI	124
A Kisan Mela-cum-Promotion and Field Demonstration Programme on CRRI technologies for soil health improvement and awareness on balanced fertilizer use	20 June 2026	Dr. Prakash Chandra Jena, Er. Bhupendra Ghritalahre, Shri Tapas Behera	ICAR-CRRI	245
District level workshop on "Organic Farming" under Khet Bachao Abhiyan	20 June 2026	Dr. R.K. Mohanta	KVK, Cuttack	152
Block level workshop on "Organic Farming" under Khet Bachao Abhiyan	20 June 2026	Dr. R. Kamboj	KVK, Cuttack	89
Block level awareness program on 'Organic Farming' under "Khet Bachao Abhiyan"	22 June 2026	Dr. D.R. Sarangi, Dr. R. Kamboj	KVK, Cuttack	100
Block level awareness program on 'Organic Farming' under "Khet Bachao Abhiyan"	23 June 2026	Dr. RK Mohanta, Dr. R Kamboj	KVK, Cuttack	128
Block level awareness program on 'Organic Farming' under "Khet Bachao Abhiyan"	24 June 2026	Dr. R.K. Mohanta, Dr. D.R. Sarangi	KVK, Cuttack	256
Awareness Workshop on Agriphotovoltaics for Sustainable Agriculture	25 June 2026	Dr. R.K. Mohanta & all staff of KVK	KVK, Cuttack	52
A farmer awareness and training programme under the Mera Gaon Mera Gaurav (MGMG) initiative	25 June 2026	Dr. Raghu S, Dr. T.B Bagchi, Dr. Jeevan B, Shri D. Dash	ICAR-CRRI	70
A Farmer Awareness and Demonstration Programme on CRRI Technologies for Soil Health Enhancement and Balanced Nutrient Management	25 June 2026	Dr. Prakash Chandra Jena, Er. Bhupendra Ghritalahre, Shri Tapas Behera	ICAR-CRRI	196
Balanced use of fertilizers	25 June 2026	Dr. Sudipta Paul, Dr. Kutubuddin Ali Molla, Dr. Sai Krishna Repalli	ICAR-CRRI	128
A Farmer's field day on Demonstration of Laser land leveller, Drone, DSR planter, Rice planter, paddy power weeder, power tiller, paddy reaper cum baler, solar thresher, tractor for enhancing fertilizer use efficiency protect soil health and enhance input use efficiency	27 June 2026	Dr. Prakash Chandra Jena, Shri Jyoti Prakash Behura, Shri Satyabrata Nayak	ICAR-CRRI	110
A Farmer's field day on Demonstration of Laser land leveller, Drone, DSR planter, Rice planter, paddy power weeder, power tiller, paddy reaper cum baler, solar thresher, tractor for enhancing fertilizer use efficiency protect soil health and enhance input use efficiency	28 June 2026	Dr. Prakash Chandra Jena, Shri Jyoti Prakash Behura, Shri Satyabrata Nayak	ICAR-CRRI	90
A Farmer's field day on Demonstration of Laser land leveller, Drone, DSR planter, Rice planter, paddy power weeder, power tiller, paddy reaper cum baler, solar thresher, tractor for enhancing fertilizer use efficiency protect soil health and enhance input use efficiency	28 June 2026	Dr. Prakash Chandra Jena, Shri Jyoti Prakash Behura, Shri Satyabrata Nayak	ICAR-CRRI	150
A Farmer's field day on Demonstration of Laser land leveller, Drone, DSR planter, Rice planter, paddy power weeder, power tiller, paddy reaper cum baler, solar thresher, tractor for enhancing fertilizer use efficiency protect soil health and enhance input use efficiency	29 June 2026	Dr. Prakash Chandra Jena, Shri Jyoti Prakash Behura, Shri Satyabrata Nayak	ICAR-CRRI	94

Applications of CRRI Biofertilizers	29 June 2026	Dr. P. Panneerselvam, Dr. Sai Krishna Repalli, Sri Sarat Chandra Sahoo	ICAR-CRRI	38
Awareness program on “Khet Bachao Abhiyan”	29 June 2026	Dr DR Sarangi, Dr R Kamboj, Mrs B Mounika	KVK, Cuttack	147
An Awareness and Training Program for Farmers on Balanced Fertilizer Use	30 June 2026	Dr. BB Panda Dr. B. Kiran Gandhi Dr. K. Koteswara Rao Dr. Shyam CS	ICAR-CRRI-RCRRS	26
Applications of CRRI Biofertilizers	30 June 2026	Dr. Jitendriya Meher, Dr. Parameswaran C, Dr. Annamalai, Dr. Sai Krishna Repalli,	ICAR-CRRI	52
Block level awareness program on ‘Organic Farming’ under “Khet Bachao Abhiyan”	30 June 2026	Dr. R.K. Mohanta, Dr. R. Kamboj	KVK, Cuttack	239
Block level awareness program on ‘Organic Farming’ under “Khet Bachao Abhiyan”	30 June 2026	Dr. D.R. Sarangi, Mrs. B. Mounika	KVK, Cuttack	124

Participation in Exhibition

- ICAR-Central Rice Research Institute (CRRI) actively participated in various agricultural exhibitions during the period, showcasing advanced rice production technologies and innovations to benefit farmers and stakeholders.
- Rajyastariya Krushak Divas Celebrated at ICAR–CRRI on the Auspicious Occasion of Akshaya Tritiya with Muthi Anukula Ceremony on 20 April 2026.
- The 61st Annual Rice Group Meetings (ARGM-2026) was organized from 17 to 20 April, 2026 at the ICAR–Central Rice Research Institute (ICAR–CRRI), Cuttack.
- The 81st Foundation Day and Dhan Diwas of the ICAR–Central Rice Research Institute (ICAR-CRRI), Cuttack was organized on 23 April 2026.

आगंतुक

वर्ष 2026 के अप्रैल-जून, 2026 की अवधि के दौरान भारत के विभिन्न राज्यों जैसे ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल और असम से किसानों, महिला किसानों, विद्यार्थियों और कृषि अधिकारियों सहित कुल 312 आगंतुकों ने संस्थान का दौरा किया। उन्हें कृषि सलाहकार सेवा प्रणाली से अवगत कराया गया।

Visitors

Altogether 312 visitors comprising of farmers, farmwomen, students and Agriculture Officers from different states of India viz., Odisha, Jharkhand, Chhattisgarh, Assam, Telangana and West Bengal visited the institute during the period of April-June' 2026. They were exposed to agro advisory services system of the institute during their visit.

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

भाकअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआई), कटक, ओडिशा ने कृषि अनुसंधान, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और क्षमता निर्माण में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए इस अवधि के दौरान कई समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

MoUs Signed

ICAR-Central Rice Research Institute (CRRI), Cuttack, Odisha, signed several Memorandums of Understanding (MoUs) during the period to foster collaborations in agricultural research, technology transfer, and capacity building.

Name of the Technology	Name of the Institute/Company	Date of MoU
MoU for CR Dhan 310	ICAR-CRRI and M/s Areia Agrotech Private Limited	23 April 2026
MoU for Basic Slag/ Fly Ash based value added Products (Ecolime+)	ICAR-CRRI and M/s Biotez Agrinovation Private Limited	06 May 2026
MoU for Basic Slag/ Fly Ash based value added Products (Ecolime+)	ICAR-CRRI and M/s Arcane Bhoomicare LLP	18 June 2026
MoU for Basic Slag/ Fly Ash based value added Products (Ecolime+)	ICAR-CRRI and M/s Dinesh Kumar Dalmia	18 June 2026

सीआरआरआई क्षेत्रीय केंद्र, हजारीबाग स्थापना दिवस समारोह

केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआई) का 81वें स्थापना दिवस और धान दिवस 23 अप्रैल 2026 को सीआरआरआई, हजारीबाग में उत्साह और गर्व के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन मुख्य संस्थान के समन्वय में आभासी रूप से किया गया था। उत्सव के हिस्से के रूप में, क्षेत्रीय केंद्र के प्रमुख डॉ. एनपी मंडल ने संस्थान के विकास और सफलता में उनके समर्पित सेवा और बहुमूल्य योगदान की मान्यता में निदेशक, सीआरआरआई की ओर से सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मानित किया। श्री अरविंद नारायण सिंह, पूर्व वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, श्रीमती नागिया देवी और श्री रामेश्वर राम, पूर्व कुशल सहायक कर्मचारी, को संस्थान के प्रति उनकी ईमानदारी से प्रतिबद्धता और लंबे समय तक सेवा के लिए प्रशंसा के प्रतीक के रूप में स्मृति चिन्ह और शॉल से सम्मानित किया गया।

यह अवसर गौरव, कृतज्ञता और उत्सव की भावना से चिह्नित था, जो चावल अनुसंधान और विकास में उत्कृष्टता के प्रति सीआरआरआई की समृद्ध विरासत और निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

विश्व पर्यावरण दिवस

विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 2026 को सीआरयूआरआरएस, हजारीबाग में मासिपिही फार्म की सीमा के साथ एक वृक्षारोपण कार्यक्रम के साथ मनाया गया। सभी कर्मचारियों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

सीआरयूआरआरएस, हजारीबाग में अंतर्राष्ट्रीय 21 जून 2026 को तर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें वैज्ञानिकों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। "स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग" विषय के अनुरूप, कार्यक्रम ने शारीरिक और मानसिक कल्याण को बढ़ावा दिया। क्षेत्रीय स्टेशन के प्रमुख डॉ. एनपी मंडल ने दैनिक जीवन में योग के महत्व पर प्रकाश डाला, जबकि योग प्रशिक्षक श्री कैलाश साँ ने आसन, प्राणायाम और ध्यान सहित कॉमन योग प्रोटोकॉल के माध्यम से प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया।

बीज वितरण और किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम



एससीएसपी कार्यक्रम के तहत, जून 2026 के दौरान 11 गांवों में 528 लाभार्थियों को सीआरआरआई-सीआरयूआरआरएस द्वारा विकसित किस्मों के चावल के बीज वितरित किए गए। हजारीबाग के भेलवातांड गांव के लाभार्थियों के लिए पावर टिलर के उपयोग पर एक हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण-सह-प्रदर्शन भी आयोजित किया गया।

CRRI Regional Station, Hazaribagh Foundation Day Celebration

The 81st Foundation Day and Dhan Diwas of the Central Rice Research Institute (CRRI) was celebrated with great enthusiasm and pride on 23 April 2026 at CRURRS, Hazaribagh. The programme was organized virtually in coordination with the main Institute.



As part of the celebration, Dr. N.P. Mandal, Head of the Regional Station, felicitated the retired staff members on behalf of the Director, CRRI, in recognition of their dedicated service and valuable contributions to the growth and success of the Institute. Shri Arvind Narayan Singh, former Senior Technical

Officer; Smt. Nagiya Devi; and Shri Rameshwar Ram, former Skilled Supporting Staff, were honoured with mementoes and shawls as a token of appreciation for their sincere commitment and long-standing service to the institution.

The occasion was marked by a spirit of pride, gratitude, and celebration, reflecting the rich legacy and continued commitment of CRRI towards excellence in rice research and development.

World Environment Day

World Environment Day was celebrated at CRURRS, Hazaribagh, on 5 June 2026 with a plantation programme along the boundary of the Masipirhi Farm. All staff members participated enthusiastically in the programme.



International Yoga Day

The International Day of Yoga was observed at CRURRS, Hazaribagh, on 21 June 2026 with enthusiastic participation of scientists and staff. In line with the theme "Yoga for Healthy Ageing," the programme promoted physical and mental well-being. Dr. N. P. Mandal, Head of the Regional Station, highlighted the importance of yoga in daily life, while Mr. Kailash Saw, Yoga Instructor, guided the participants through the Common Yoga Protocol, including asanas, pranayama and meditation.



Seed Distribution and Farmers' Training Programmes



Under the SSCP programme, rice seeds of CRRI-CRURRS developed varieties were distributed to 528 beneficiaries across 11 villages during June 2026. A hands-on training-cum-demonstration on the use of a power tiller was also organized for beneficiaries of Bhelwatand village, Hazaribagh. Under the TSP programme, 2,500 kg of rice seeds of five

टीएसपी कार्यक्रम के तहत, देवघर, हजारीबाग, रामगढ़ और रांची जिलों के गांवों में 246 आदिवासी फार्म परिवारों को पांच किस्मों के 2,500 किलो चावल के बीज वितरित किए गए। किसानों के लिए «धान की वैज्ञानिक नर्सरी प्रबंधन» पर पूर्व-प्रदर्शन प्रशिक्षण भी आयोजित किया गया, जिसमें कुल 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

किसान गोष्ठी और जागरूकता कार्यक्रम

भाकृ अनुप-सीआरआरआई-सीआरआरआरएस, हजारीबाग द्वारा "मेरा गांव-मेरा गौरव" और "खेत बचाओ अभियान" के तहत विज्ञान आधारित पोषक तत्व और इनपुट प्रबंधन और संतुलित उर्वरक के विषयों पर किसान गोष्ठी और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों में हजारीबाग और रामगढ़ जिलों के 30 गांवों के लगभग 1,200 किसानों को शामिल किया गया। किसानों को मिट्टी परीक्षण, संतुलित उर्वरक उपयोग, खाद, जैव उर्वरक, हरी खाद और जैव नियंत्रण एजेंटों के बारे में संवेदनशील बनाया गया। विस्तार शिक्षा विभाग, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, कांके, रांची के सहयोग से छह एफपीओ के 40 सदस्यों को शामिल करते हुए एक एफपीओ बैठक और जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

प्रौद्योगिकी

दो चावल की किस्में (सीआर धान 110 और सीआर धान 216) को एसवीआरसी, झारखंड के माध्यम से और एक चावल की किस्म (सीआर धान 111) को एसवीआरसी, कर्नाटक के माध्यम से जारी किया गया।

सीआर धान 110 CR Dhan 110 (IET 27523/CRR 514-6-1-1-6)



Yield potential	4.31 t/ha under DSR
Region	Rainfed early direct seeded conditions (Don3) of Jharkhand
Duration	103-106 Days
Resistance to diseases	Moderately resistant to blast, brown spot, sheath blight, sheath rot
Resistance to insects	Moderately tolerant to SB, BPH, WBPH, GMB-1, LF, RH.
Grain quality	HRR(56.9%), MS, ASV (3.5), amylose content (20.58%), soft GC (45.5)
Other	Highly drought tolerant

सीआर धान 216 CR Dhan 216/ CRR 820-20-1-2-2



Yield potential	4.58 t/ha under Aerobic condition
Region	Aerobic situations in Jharkhand
Duration	110 Days
Resistance to diseases	Moderately resistant to leaf blast, neck blast and brown spot.
Resistance to insects	Moderately tolerant to Glume discol, SB, LF, WBPH
Grain quality	HRR(63.2%), LS, ASV (5.0), amylose content (23.77%), soft GC (53.5)
Other	Yield advantage of 12.25% over CRD 201 (NC), 9.66% over CRD 202 (ZC)

varieties were distributed to 246 tribal farm families across villages in Deoghar, Hazaribag, Ramgarh and Ranchi districts. Pre-demonstration training on "Scientific Nursery Management of Rice" was also conducted for farmers, with a total of 150 participants.

Kisan Gosthi and Awareness Programmes

Kisan Gosthi and awareness programmes were organized by ICAR-CRRI-CRURRS, Hazaribag, under "Mera Gaon-Mera Gaurav" and "Khet Bachao Abhiyan" on the themes of Science-based Nutrient and Input Management and Balanced Fertilization. The programmes covered about 1,200 farmers from 30 villages of Hazaribag and Ramgarh districts. Farmers were sensitized on soil testing, balanced fertilizer use, composting, bio-fertilizers, green manuring and biocontrol agents.

An FPO Meet and awareness programme involving 40 members from six FPOs was also organized in collaboration with the Department of Extension Education, Birsa Agricultural University, Kanke, Ranchi.

Technology

Two Rice varieties (CR Dhan 110 & CR Dhan 216) were released through SVRC, Jharkhand and One Rice variety (CR Dhan 111) was released through SVRC, Karnataka.

CR Dhan 110 (IET 27523/CRR 514-6-1-1-6)

CR Dhan 216/ CRR 820-20-1-2-2



Yield potential	4.15 t/ha under DSR
Region	E DS conditions in Karnataka
Duration	98 Days
Resistance to diseases	Moderately resistant to Blast, BLB & BPH
Grain quality	HRR 56.9%, SB, ASV 3.0, amylose 21.94% and GC 48.



एक भारतीय सरसों किस्म, बीबीएस-1, आईआईआरएमआर, भरतपुर, राजस्थान और बीएयू, रांची के बीच एक संयुक्त सहयोग के माध्यम से विकसित की गई थी। किस्म को झारखंड की मध्यम-भूमि पारिस्थितिकी में देर से बोई जाने वाली स्थितियों के लिए एसवीआरसी, झारखंड द्वारा जारी किया गया। डॉ. प्रियमेधा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, सीआरआरआई-सीआरयूआरएस इस किस्म के सह-विकासकर्ताओं में से एक हैं, जिन्होंने आईआईआरएमआर, भरतपुर में अपने कार्यकाल के दौरान इसके विकास में योगदान दिया है।

One Indian mustard variety, BBS-1, was developed through a joint collaboration between IIRMR, Bharatpur, Rajasthan, and BAU, Ranchi. The variety was released by the SVRC, Jharkhand, for late-sown conditions in the medium-land ecology of Jharkhand. Dr. Priyamedha, Senior Scientist, CRRI-CRURRS is one of the co-developers of this variety, having contributed to its development during her tenure at IIRMR, Bharatpur.

कृषि विज्ञान केंद्र के कार्यक्रम

कृषि विज्ञान केंद्र, कटक विश्व दुग्ध दिवस समारोह

कृषि विज्ञान केंद्र, कटक ने 1 जून 2026 को कटक सदर ब्लॉक के अंतर्गत राजहंस गांव में लगभग 40 किसानों, महिलाओं और बच्चों की सक्रिय भागीदारी के साथ विश्व दुग्ध दिवस 2026 मनाया। यह कार्यक्रम ग्रामीण समुदायों के बीच दूध और डेयरी फार्मिंग के पोषण, आर्थिक और स्वास्थ्य लाभों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए आयोजित किया गया था। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए, डॉ. आर. के. मोहंता, वरिष्ठ वैज्ञानिक और अध्यक्ष, केवीके, कटक ने दूध के महत्व पर प्रकाश डाला, जो एक पौष्टिक और पोषक तत्वों से भरपूर भोजन है जो विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों के लिए खाद्य और पोषण सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देता है। उन्होंने दूध निकालने के दौरान स्वच्छता बनाए रखने, थन की उचित सफाई, साफ बर्तनों के उपयोग और गुणवत्ता और संदूषण मुक्त दूध सुनिश्चित करने के लिए दूध के सुरक्षित संचालन और भंडारण सहित विभिन्न स्वच्छ दूध उत्पादन प्रथाओं का भी प्रदर्शन किया।

कृषि विज्ञान केंद्र, कटक के अन्य वैज्ञानिकों और कर्मचारियों के साथ-साथ डॉ. राजन कंबोज, एसएमएस (पादप संरक्षण), श्री एस. बी. मौनिका, एसएमएस (कृषि विस्तार) ने कार्यक्रम के सफल आयोजन और संचालन में सक्रिय योगदान दिया।

KVK Programmes

KVK, Cuttack

World Milk Day Celebration

KVK, Cuttack, celebrated World Milk Day 2026 on 1 June 2026 at Rajhans village under Cuttack Sadar Block, with the active participation of around 40 farmers, women and children. The programme was organized to create awareness about the nutritional, economic and health benefits of milk and dairy farming among rural communities.

Addressing the participants, Dr. R.K. Mohanta, Senior Scientist and Head, KVK, Cuttack, highlighted the importance of milk as a wholesome and nutrient-rich food that significantly contributes to food and nutritional security, particularly for women and children. He also demonstrated various clean milk production practices, including maintaining hygiene during milking, proper cleaning of the udder, use of clean utensils, and safe handling and storage of milk to ensure quality and contamination-free milk.

Dr. Rajan Kamboj, SMS (Plant Protection), Mrs. B. Mounika, SMS (Agricultural Extension), along with other scientists and staff members of KVK, Cuttack, actively contributed to the successful organization and conduct of the programme.

23वां पीएम-किसान की किस्त जारी किया जाना

कृषि विज्ञान केंद्र, कटक ने मुख्य जिला कृषि अधिकारी के कार्यालय में राज्य कृषि विभाग द्वारा आयोजित जैविक और प्राकृतिक खेती पर जिला स्तरीय कार्यशाला में भाग लिया। यह कार्यक्रम पीएम-किसान कार्यक्रम के साथ आयोजित किया गया था, जिसके दौरान लगभग 100 किसानों ने भाग लिया और माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के संबोधन के साथ-साथ पीएम-किसान की 23वां किस्त जारी करने का सीधा प्रसारण देखा।

डॉ. आर. के. मोहंता, वरिष्ठ वैज्ञानिक और अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केंद्र, कटक ने कृषि में नवाचारों पर एक व्याख्यान दिया, जिसमें कृषि उत्पादकता बढ़ाने में आधुनिक तकनीकों और टिकाऊ कृषि पद्धतियों की भूमिका पर प्रकाश डाला गया। डॉ. डी आर सडंगी, एसएमएस (मृदा विज्ञान) ने प्राकृतिक खेती पर एक व्याख्यान दिया, जिसमें पर्यावरण के अनुकूल कृषि पद्धतियों, मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार और रासायनिक आदानों पर कम निर्भरता पर ध्यान केंद्रित किया गया। श्री एस. बी. मौनिका, एसएमएस (कृषि विस्तार), कृषि विज्ञान केंद्र के अन्य कर्मचारियों के साथ कार्यक्रम में सक्रिय रूप से शामिल हुए।

वैज्ञानिक मधु संग्रहण और मधुमक्खी पालन प्रबंधन पर प्रदर्शन

भाकृअनुप-सीआरआरआई, कटक ने 24 जून 2026 को कुआमंगा गांव, जगतसिंहपुर जिले में एससीएसपी लाभार्थियों के लिए एक प्रायोगिक प्रदर्शन का आयोजन किया। डॉ. राजन कंबोज ने अधिशेष शहद के संग्रह के लिए हनी सुपर (सुपर चैंबर) के उपयोग पर किसानों को प्रशिक्षित किया और मधुमक्खी के छत्तों को नुकसान पहुंचाए बिना हनी एक्सट्रैक्टर का उपयोग करके पूरी तरह से पके हुए शहद के वैज्ञानिक निष्कर्षण का प्रदर्शन किया, जिससे मधुमक्खी कॉलोनिजों में व्यवधान कम हो गया। स्वस्थ और उत्पादक कॉलोनिजों को बनाए रखने के लिए किसानों को नियमित रूप से छत्ते का निरीक्षण, बॉटम बोर्ड की सफाई, छत्ते की स्वच्छता और मधुमक्खी पालन के आसपास स्वच्छता पर भी प्रशिक्षित किया गया। कार्यक्रम ने वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन में किसानों के व्यावहारिक कौशल को बढ़ाया, सतत शहद उत्पादन को बढ़ावा दिया, कॉलोनी प्रबंधन में सुधार किया और मधुमक्खी पालन के माध्यम से उच्च आय प्राप्त की।

बीएससी के छात्रों के लिए इंटरनशिप कार्यक्रम

कृषि विज्ञान केंद्र, कटक ने 2026 के दौरान देवी कंडोल नित्यानंद कॉलेज, एरांच के 23 बी.एससी. (वनस्पति विज्ञान और प्राणी विज्ञान) के छात्रों को उनके -120 घंटों ग्रीष्मकालीन इंटरनशिप कार्यक्रम के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया। एक अभिविन्यास कार्यक्रम 14 मई 2026 को आयोजित किया गया, जिसके दौरान छात्रों को चार समूहों में विभाजित किया गया और उन्हें भोजन की आदतें; जल सुविधाएं और पानी की उपलब्धता; स्वास्थ्य और स्वच्छता; और हर्बल पौधे जैसे विषय सौंपे गए। छात्रों को सर्वेक्षण, फील्डवर्क, फोटोग्राफी और रिपोर्ट लेखन की योजना बनाने और आयोजित करने में मार्गदर्शन किया गया। उनकी गतिविधियों की नियमित निगरानी दैनिक रिपोर्ट और व्हाट्सएप समूह के माध्यम से साझा की गई गतिविधि तस्वीरों के माध्यम से की गई। इंटरनशिप रिपोर्टों का मूल्यांकन लिखित रिपोर्टों और 22 जुलाई 2026 को डीकेएन कॉलेज, एरांच में एक विशेषज्ञ पैनल के समक्ष उनके निष्कर्षों की प्रस्तुतियों के माध्यम से किया गया।

कृषि विज्ञान केंद्र, कोडरमा

केवीके, कोडरमा में वैज्ञानिक सलाहकार समिति (एसएसी) की बैठक आयोजित

केवीके, कोडरमा की वैज्ञानिक सलाहकार समिति (एसएसी) की बैठक आईसीएआर-सीआरआरआई, कटक के मार्गदर्शन में 21 अप्रैल 2026 को सफलतापूर्वक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता डॉ. शिव मंगल प्रसाद, प्रधान वैज्ञानिक, आईसीएआर-सीआरआरआई, हजारीबाग ने की, जबकि डॉ. अवनी कुमार सिंह, प्रमुख, एफएसआरसी-एचआरपी, प्लंडू, रांची ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

23rd Instalment Release of PM-Kisan

KVK, Cuttack, participated in a district-level workshop on Organic and Natural Farming, organized by the State Line Department at the Office of the Chief District Agriculture Officer. The programme was held in conjunction with the PM-Kisan programme, during which around 100 farmers participated and watched the live telecast of the release of the 23rd instalment of PM-Kisan, along with the address by the Hon'ble Prime Minister, Shri Narendra Modi.

Dr. R.K. Mohanta, Senior Scientist and Head, KVK, Cuttack, delivered a lecture on *Innovations in Agriculture*, highlighting the role of modern technologies and sustainable farming practices in enhancing agricultural productivity. Dr. D.R. Sarangi, SMS (Soil Science), delivered a lecture on *Natural Farming*, focusing on eco-friendly agricultural practices, improvement of soil health and reduced dependence on chemical inputs. Mrs. B. Mounika, SMS (Agricultural Extension), along with other KVK staff members, actively participated in the programme.

Demonstration on Scientific Honey Harvesting and Apiary Management



ICAR-CRRI, Cuttack organized a hands-on demonstration for SCSP beneficiaries at Kuamanga village, Jagatsinghpur district, on 24 June 2026. Dr. Rajan Kamboj trained farmers on the use of honey supers (super chambers) for collection of surplus honey and demonstrated the scientific extraction of fully ripened honey using a honey extractor without damaging the honeycombs, thereby minimizing disturbance to the bee colonies.

Farmers were also trained on routine hive inspection, cleaning of the bottom board, maintenance of hive hygiene, and sanitation around the apiary to maintain healthy and productive colonies. The programme enhanced farmers' practical skills in scientific beekeeping, promoting sustainable honey production, improved colony management, and higher income through apiculture.

Internship Programme for B.Sc. Students

KVK, Cuttack, provided mentorship to 23 B.Sc. (Botany and Zoology) students of Devi Kandol Nityanand College, Erancha, for their 120-hour Summer Internship Programme during 2026. An orientation programme was conducted on 14 May 2026, during which the students were divided into four groups and assigned topics such as Food Habits; Water Facilities and Drinking Water Availability; Health and Hygiene; and Herbal Plants. The students were guided in planning and conducting surveys, fieldwork, photography and report writing. Their activities were regularly monitored through daily reports and activity photographs shared through a WhatsApp group. The internship reports were evaluated through written reports and presentations of their findings before an expert panel on 22 July 2026 at

KVK, Koderma

Scientific Advisory Committee (SAC) Meeting Organized at KVK, Koderma

The Scientific Advisory Committee (SAC) Meeting of KVK, Koderma was successfully conducted on 21 April 2026 under the guidance of ICAR-CRRI, Cuttack. The meeting was chaired by Dr. Shiv Mangal Prasad, Principal Scientist, ICAR-CRURRS, Hazaribag, while Dr. Awani Kumar Singh, Head, FSRC-HRP, Plandur, Ranchi, attended as the Chief Guest.



केवीके, कोडरमा के प्रमुख और वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. ए.के. राय ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और केवीके की प्रमुख उपलब्धियों और चल रही गतिविधियों के बारे में बताया। वार्षिक रिपोर्ट (26-2025) और वार्षिक कार्य योजना (27-2026) प्रस्तुत की गई और एक एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन (आईएनएम) बुलेटिन का भी उद्घाटन किया गया। बैठक में एसएसी के सदस्यों, वैज्ञानिकों, संबंधित विभागों के अधिकारियों और प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया। बातचीत के दौरान, किसानों ने अपने क्षेत्र के अनुभव और चुनौतियों को साझा किया, जबकि विशेषज्ञों ने विस्तार गतिविधियों को मजबूत करने, प्रौद्योगिकी अपनाने में सुधार करने और स्थान-विशिष्ट कृषि मुद्दों को संबोधित करने के लिए बहुमूल्य सुझाव दिए। कार्यक्रम का समापन अध्यक्ष के अभिभाषण और धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

केवीके, कोडरमा द्वारा पीएम-किसान योजना किस्त का सीधा प्रसारण

केवीके, कोडरमा ने 20 जून 2026 को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना की 23वीं किस्त के सीधे प्रसारण के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया। लगभग 410 किसानों ने भाग लिया और माननीय प्रधानमंत्री द्वारा लाभार्थी किसानों के बैंक खातों में सीधे किस्त जारी करने के सीधा प्रसारण देखा। कार्यक्रम में माननीय महिला एवं बाल विकास मंत्री और कोडरमा से सांसद श्रीमती अन्नपूर्णा देवी, अन्य गणमान्य व्यक्तियों और अधिकारियों के साथ उपस्थित थीं। आईसीएआर संस्थानों के विशेषज्ञों ने प्राकृतिक खेती, उन्नत चावल की किस्मों और कृषि विकास में किसानों की भूमिका पर व्याख्यान दिया। कृषि में उत्कृष्ट योगदान के लिए ग्यारह प्रगतिशील किसानों को प्रशंसा प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।



Dr. A.K. Rai, Head and Senior Scientist, KVK, Koderma, welcomed the participants and presented the major achievements and ongoing activities of the KVK. The Annual Report (2025–26) and Annual Action Plan (2026–27) were presented, and an Integrated Nutrient Management (INM) Bulletin was also inaugurated. The meeting witnessed the participation of SAC members, scientists, officials of line departments and progressive farmers. During the interaction, farmers shared their field-level experiences and challenges, while experts provided valuable suggestions for strengthening extension activities, improving technology adoption and addressing location-specific agricultural issues. The programme concluded with the Chairman's remarks and a vote of thanks.

KVK, Koderma Organized Live Telecast of PM-KISAN Scheme Installment..

KVK, Koderma organized a programme for the live telecast of the 23rd installment of the Pradhan Mantri Kisan Samman Nidhi (PM-KISAN) Scheme on 20 June 2026. Around 410 farmers participated and witnessed the live telecast of the Hon'ble Prime Minister releasing the installment directly into the bank accounts of beneficiary farmers.

The programme was attended by Smt. Annapurna Devi, Hon'ble Union Minister for Women and Child Development and MP, Koderma, along with other dignitaries and officials. Experts from ICAR institutions delivered lectures on natural farming, improved rice varieties and farmers' role in agricultural development. Eleven progressive farmers were also honoured with Certificates of Appreciation for their outstanding contributions to agriculture.

RESEARCH NOTE

Assessing the ecosystem services of rice farms in coastal India

Rice cultivation delivers a wide range of tangible and intangible ecosystem benefits that require sustained protection and enhancement. In this study, ecosystem services (ES) provided by rice farms across districts in four agro climatic zones of Odisha (East and South eastern coastal plain, Mid Central Table Land, North Eastern Coastal Plain and North Eastern ghat) (Fig 1) were evaluated by estimating the economic value of services under conventional rice cultivation. In addition, the disparity between ecosystem service values and farm income per unit area was examined. The ES components assessed included food production (ES1), by-products (ES2), biological pest control (ES3), soil formation (ES4), mineralization of plant nutrients (ES5), carbon flow (ES6), nitrogen fixation (ES7), soil fertility (ES8), hydrological regulation (ES9), and soil erosion control (ES10).

The total value of ecosystem services was estimated using the following relationship:

$$ES_T = \sum ES_M + \sum ES_NM$$

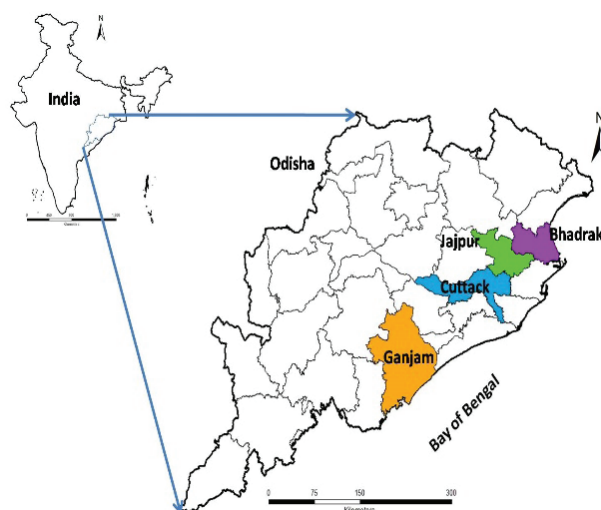


Fig 1: Four agro climatic zones under study in Odisha

where denotes the total ecosystem service value, represents marketed (tangible) services, and denotes non-marketed (intangible) services.

Marketed ecosystem services consisted of the economic value of rice grain and by-products such as straw, which are directly sold by farmers:

$$\Sigma ES_M = ES_1 + ES_2$$

All remaining services were classified as non-marketed ecosystem services:

$$\Sigma ES_NM = \Sigma ES_3 - \Sigma ES_1 - \Sigma ES_2$$

The marketed value of food and by-products ranged from US\$ 1,699 ha⁻¹ yr⁻¹ (MCTL) to US\$ 2,736 ha⁻¹ yr⁻¹ (ESCP), with an average of US\$ 2,187 ha⁻¹ yr⁻¹. Non-marketed ecosystem services accounted for approximately 61% of the total ecosystem service value from rice fields, with gas regulation through oxygen evolution contributing the largest share (about 55%). To address the observed economic imbalance, we propose the adoption of targeted interventions, including payments for ecosystem services in rice-based systems, to support long-term ecosystem sustainability and agricultural development.

Rahul Tripathi, S Mohanty, Manish Debnath, D Bhaduri,

D Chatterjee, S Priyadarsani, B Mondal and BR Goud

ICAR-CRRI, Cuttack

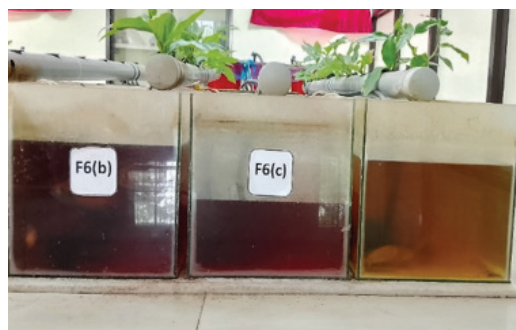
Development of rice by product based floating and sinking fish feed pellets

Floating and sinking fish feed pellets using rice processing by-products, including rice bran, broken rice, mustard oil cake, maize powder, wheat bran, pumpkin peel, moringa leaves, fish meal, jaggery, and rice bran oil were developed as an economical alternative to commercial fish feed. The formulated feeds were evaluated for their physical, nutritional, and growth performance under a 75-day feeding trial.

The developed floating feed exhibited superior physical quality with a pellet size of 2.56 mm × 1.49 mm × 1.12 mm, density of 0.00107 g mm⁻³, 55% water absorbability, 12.27% moisture content, and 85.23% pellet durability. It also contained 23.45% crude protein, along with essential micronutrients including Mn (0.302 mg L⁻¹), Cu (0.056 mg L⁻¹), Fe (1.524 mg L⁻¹), and Zn (0.745 mg L⁻¹), meeting the nutritional requirements of cultivable carps. Fish fed with the floating feed consistently outperformed those fed with sinking and commercial feeds throughout the experiment. The average body weight increased from an initial 9.17 ± 0.75 g to 28.31 ± 5.21 g after 75 days, whereas fish fed with sinking and commercial feeds attained 25.61 ± 6.02 g and 22.23 ± 3.61 g, respectively. The floating feed also recorded the highest specific growth rate (SGR) of 1.26% day⁻¹, compared with 1.19% day⁻¹ for sinking feed and 0.86% day⁻¹ for commercial feed. Similarly, the average daily growth reached 32.40 mg day⁻¹ with floating feed, surpassing sinking feed (27.93 mg day⁻¹) and commercial feed (15.47 mg day⁻¹). The body weight of fish fed with floating feed increased by more than three-fold during the experimental period, demonstrating superior feed utilization efficiency. The study highlights the potential of rice by-product-based floating feed as a cost-effective, nutritionally rich, and sustainable alternative to commercial fish feed. The technology offers an efficient pathway for value addition of rice processing residues while reducing feed costs and improving fish growth, thereby supporting sustainable aquaculture and enhancing farmers' income.



Top view



Side view



Sinking feed



Floating feed



Commercial feed

S Priyadarsani
ICAR-CRRI, Cuttack

Sensory Evaluation of Selected Rice Varieties for Table Rice and Kheer Preparation

A sensory evaluation study was conducted at ICAR–CRRI during 18–20 February 2026 to assess the consumer preference of selected rice varieties based on their cooking and eating quality. A panel of 7–8 semi-trained evaluators assessed cooked rice samples coded A–K using a 9-point hedonic scale, where 1 represented “dislike extremely” and 9 represented “like extremely.” The samples were evaluated for appearance, colour, aroma, taste, texture/mouthfeel and overall acceptability. To avoid bias, the rice varieties were served with coded labels (Table 1), and the panelists recorded both quantitative scores and qualitative comments. The panelists also tasted the cooked rice during lunch along with dal and vegetable preparations, allowing them to judge the practical suitability of the varieties for regular meals. In addition, aromatic rice varieties were used to prepare kheer, and the panelists provided feedback on their suitability for dessert preparation.

The evaluation revealed noticeable differences in sensory perception among the rice varieties. Samples that exhibited pleasant aroma, well-separated grains and soft but non-sticky texture consistently received higher preference scores. Among the evaluated samples, CR Dhan 907 (Sample F) emerged as the most preferred for table rice due to its attractive appearance, bold grains and appealing aroma (Table 2). Aromatic traditional varieties such as Gobindhbhog Type 2 and Ketakijoha also received high acceptance owing to their distinct fragrance and good palatability. Some samples showed moderate preference and were considered suitable for everyday consumption, while varieties showing stickiness or broken grain appearance after cooking were less preferred. For kheer preparation, panelists indicated that aromatic rice types performed better because their fragrance, soft texture and cooking behaviour in milk contributed to a richer flavour and creamy consistency (Table 3).

Table 1. Rice varieties evaluated in the sensory study

Sample Code	Rice Variety
A	Geetanjali (Old)
B	Poornabhog (New)
C	Ketakijoha
D	Gobindhbhog Type 1
E	Nua Kalajeera
F	CR Dhan 907
G	Geetanjali (New)
H	Poornabhog (Old)
I	Gobindhbhog Type 2
J	Geetanjali (Old)
K	Gobindhbhog Type 3

Table 2. Preferred rice varieties based on panel evaluation

Rank	Variety	Remarks
1	CR Dhan 907	Excellent aroma and non-sticky grains
2	Gobindhbhog Type 3	Pleasant aroma and soft mouthfeel
3	Ketakijoha	Distinct aroma and good palatability
4	Geetanjali (New)	Suitable for regular meals
5	Nua Kalajeera	Moderate aroma and acceptable texture

Table 3. Culinary suitability and key sensory traits

Category	Variety	Key Sensory Traits
Table rice	CR Dhan 907	Strong aroma; non-sticky grains; good texture
Table rice	Gobindhbhog Type 2	Pleasant aroma; soft mouthfeel
Table rice	Ketakijoha	Distinct aroma; good palatability
Kheer preparation	Gobindhbhog Types	Soft texture; blends well with milk desserts
Kheer preparation	Chinikamini	Fragrant grains; creamy texture in kheer

Overall, the study highlights that aroma, grain separation and texture are the most important sensory attributes influencing rice preference (Fig. 1). Varieties such as CR Dhan 907, Gobindhbhog Type 2 and Ketakijoha were found to be highly suitable for table rice consumption, while aromatic types like Gobindhbhog and Chinikamini showed excellent potential for traditional sweet preparations such as kheer. These findings provide useful insights for promoting rice varieties with superior eating quality and for guiding their use in both regular meals and value-added food products.

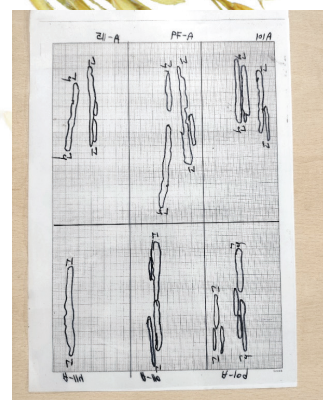
Sivashankari. M, Sutapa Sarkar, Keerthana U,
Gaurav Kumar, Debarati Bhaduri, B Mondal
ICAR-CRRI, Cuttack

A Modified Transparent Grid Based Technique for Quantifying Leaffolder Damage in Rice

The method described by Chintalapati et al. (2017) was used as the basis for estimating leaffolder-damaged leaf area. In the original procedure, the damaged portion of the leaf was traced onto a transparent sheet, and the traced outline was subsequently aligned with a separate graph sheet to estimate the damaged area by counting the enclosed grid squares. Although effective, this procedure was relatively time-consuming and susceptible to measurement errors due to possible displacement between the transparent sheet and the graph sheet during alignment.

To overcome these limitations, the present study developed a modified method for improved accuracy and efficiency. An A4-sized graphical grid with a resolution of 1 mm² was printed directly onto a transparent sheet, there by integrating the tracing and measurement surfaces into a single reference sheet. The leaf folder-damaged leaf was placed beneath the transparent grid sheet, and the damaged area was carefully traced. The total number of 1 mm² grid squares enclosed within the traced outline was counted systematically. Grid squares with more than half of their area covered by the traced outline were counted as one complete square, while those with less than half coverage was excluded. The total damaged leaf area was calculated from the number of counted grid squares and expressed in square millimetres (mm²). By eliminating the need to align the traced outline with a separate graph sheet, the modified method reduced handling errors, minimized measurement time, and improved the precision, consistency, and reliability of damaged leaf area estimation.

Chintalapati, P., Javvaji, S., & Gururaj, K. (2017). Measurement of damaged leaf area caused by leaf folder in rice. *J Entomol Zool Stud*, 5(4), 415-417.



Prasanthi Golive, Soumya Shephalika Dash, Annamalai M, Manas Kumar Bag and SD Mohapatra
ICAR-CRRI, Cuttack

Identification of genomic loci underlying resistance to brown spot disease in *aus* rice germplasm

The brown spot disease of rice caused by the fungus *Cochliobolus miyabeanus* (Anamorph: *Bipolaris oryzae*) is a chronic, historically devastating disease that contributed to the Great Bengal Famine of 1943 and continues to cause yield losses ranging from 6% to as much as 90% across rice-growing regions of Asia, Africa and beyond. As climate change drives warmer temperatures and erratic rainfall, and as farmers shift toward water-saving direct-seeded rice cultivation, conditions favouring brown spot are becoming more common. Thus, the search for promising resistant donors and genes governing broad-spectrum resistance is essential. The present study evaluated a panel of 181 *aus* rice accessions, a genetically distinct and stress-adapted varietal group that has been well studied for tolerance to abiotic stresses like drought, but rarely exploited for brown spot disease resistance. The panel was sourced from the 3,000 Rice Genomes Project, and represented India, Bangladesh, Nepal, Pakistan and Sri Lanka. The accessions were screened for disease reaction in two complementary ways: natural infection in uniform screening nurseries (in *kharif* 2024 and 2025), and controlled artificial inoculation under greenhouse conditions (in *Summer* 2026) and scored at 3 and 5 days after inoculation. Disease severity was evaluated following the Standard Evaluation System (IRRI) scoring methodology at a scale of 0 (highly resistant) to 9 (highly susceptible). Scoring data revealed that majority of the accessions were either moderately resistant (SES score >3 to <6) and susceptible (SES score >6). A single *aus* accessions 'Setya' was consistently identified as the most resistant genotype across both field seasons and both inoculation time points, thus can serve as a promising candidate donor for breeding programmes. Overall, continuous nature of the phenotyping data indicated that brown spot response is governed by many small effect genes (**Fig 1. A**).

Subsequent genome-wide associate study using ~450,000 SNP markers and two GWAS models (GEMMA and FarmCPU) identified 50 suggestive ($\log P < 1e-4$) genomic signals, which were further refined to 19 high-confidence loci (*qBSR*) spanning eight rice chromosomes (**Fig. 1B, C**). Functional annotation of genes within these *qBSR* intervals identified 79 potential disease resistance candidates, including nucleotide-binding leucine-rich-repeat (NLR) proteins, receptor-like kinases (RLKs) and peroxidases. Notably, a tandem germin-like protein (GLP8) gene cluster at the locus designated *qBSR8.1* appeared as the most promising candidate through both transcriptome and gene-haplotype analysis. The germin-like protein gene family is well known for conferring broad-spectrum, quantitative disease resistance in cereal crops. A second region on chromosome 10, rich in classic NLR-type immune-receptor genes, emerged as the next-strongest target. These can be further validated for their effectiveness in managing the brown spot disease. Targeted expression profiling of two prioritized candidate genes, *Os04g0223500* and *Os08g0207600*, in resistant versus susceptible plants revealed elevated expression of these genes in resistant accessions 'Setya'. The findings indicate that resistance to brown spot in *aus* rice is controlled by multiple quantitative loci operating through diverse immune pathways, including oxidative burst generation and cell-wall modification. *qBSR8.1*, the germin-like protein cluster, with the strongest statistical association stands out as high-priority target regions for fine-mapping and gene isolation. The haplotype-specific variants identified in these genes provide functional molecular markers that can be used directly in marker-assisted selection (MAS) and allele mining.

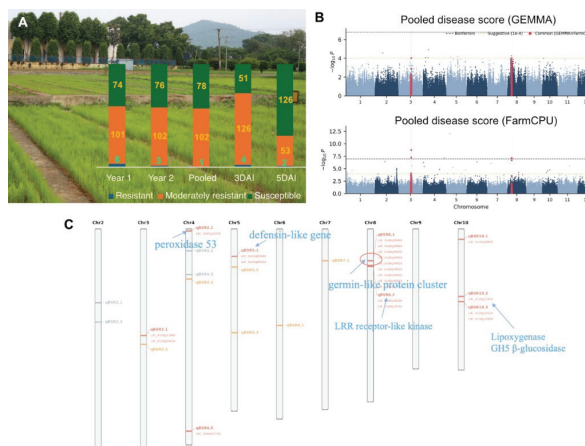


Fig 1. Identification of genomic loci underlying brown spot resistance. (A) Number of accessions identified as resistant and moderately resistant. (B) Manhattan plots showing significant marker traits associations for pooled disease score using two GWAS models. (C) loci identified through GWAS and transcriptome analyses.

Arijit Mukherjee, Diksha Kumari, N.P. Mandal,
Amrita Banerjee*, Somnath Roy*
ICAR-CRRI-CRURRS, Hazaribag

Seminar/ Symposia/ Workshop/ Winter School/ Exhibition/ Training Programmes/ Meetings attended
सम्मेलन/परिसंवाद/कार्यशाला/शीतकालीन पाठ्यक्रम/प्रदर्शनी/प्रशिक्षण कार्यक्रमों/बैठकों में प्रतिभागिता

Sl. No.	Particulars	Date	Participants
1.	Mission Karmayogi – SADHANA Saptah	2-8 April 2026	All staff of CRRI, CRURRS
2.	Policy Dialogue on Evidence-Led Food Systems Transformation Policies in the context of Viksit Bharat at the Parijat Lecture Hall, NASC Complex, Pusa, New Delhi	7 April 2026	Dr. G.A.K. Kumar
3.	Nursery verification of Jagannath nursery, Tarini Nursery and Shakti Nursery with horticulture department for quality planting material production	10 April 2026	Dr. R.K. Mohanta
4.	Physical verification of assets and stores of KVK, Koderma	13 April 2026	Dr. B.C. Verma, Dr. S. Roy, Mr. S. Orawn
5.	One IRRI-NARES South Asia Advancement Meet-2026	20 April 2026	Dr. N.P. Mandal
6.	Workshop on 'Cultivation, Production and Preparation of Quality Paddy Seed among FPO members' at Cuttack organised by NIGAM NGO for quality seed production	20 April 2026	Dr. R.K. Mohanta
7.	Scientific Advisory Committee (SAC) meeting	21 April 2026	Dr. S.M. Prasad
8.	The Assessment Committee for CAS at ASRB, New Delhi	22 April 2026	Dr. G.A.K. Kumar
9.	District-level celebration of World Veterinary Day on the theme 'Veterinarians: Guardians of Food and Health', organized by CDVO, Khorda	22 April 2026	Dr. R.K. Mohanta
10.	Attended as a member expert in the Assessment Committee for CAS at ASRB, New Delhi	5-6 May 2026	Dr. G.A.K. Kumar
11.	The joint verification of the Piggery and Feed Plant at Ramakrushnapur, Salepur, constructed under MKUY	8 May 2026	Dr. R.K. Mohanta
12.	The meeting on Team creation and reporting for Intensive Campaign on Balanced Use of Fertilizers through Kisan Sarathi portal organized by ATARI, Kolkata	14 May 2026	Dr. R.K. Mohanta
13.	The discussion-cum-coordination meeting on Crop Diversification Programme under Mega Lift Irrigation Project	15 May 2026	Dr. R.K. Mohanta
14.	An online meeting on National Pulse Mission program with KVK Nodal Officers, ICAR-IIPR Nodal Scientists, ATARI Kolkata and State Agriculture officials, for effective planning for the kharif season	18 May 2026	Dr. D.R. Sarangi
15.	Attended as a member expert in the Assessment Committee for CAS at ASRB, New Delhi	20-21 May 2026	Dr. G.A.K. Kumar
16.	State Variety Release Committee, Jharkhand Meeting	21 May 2026	Drs. N.P. Mandal, S. Bhagat, Priyamedha
17.	Pre-kharif interaction meeting with the FPO farmers and Department officials and MGMG programme regarding minimum use of fertilizer at KVK, Jashipur	30 May 2026	Dr. G.A.K. Kumar
18.	Attended as a member expert in the Assessment Committee for CAS at ASRB, New Delhi	17-18 June 2026	Dr. G.A.K. Kumar
19.	PM-Kisan Utsav Diwas at Nepal House, Ranchi	20 June 2026	Drs. N.P. Mandal, S.M. Prasad and B.C. Verma
20.	Six Monthly Workshop of Nagar Rajbhasha Karyanvayan Samiti (NRAKAS) at Regional Office of Bank of India, Hazaribag	23 June 2026	Drs. N.P. Mandal, S.M. Prasad
21.	The technical presentation for selection of FLFA under Crop Diversification Programme under Mega Lift Irrigation Project	30 June 2026	Dr. D.R. Sarangi
22.	Mera Gaon-Mera Gaurav and Khet Bachao Abhiyan	May and June 2026	All Scientists from Institute, Regional Stations and KVKs

Publication Research Journals

1. Arvind Yadav, Anjani Kumar, Surendra Singh*, Pramod Kumar Sharma, Abhishek Kumar Sahu, Bikramjit Deuri, Sandeep Kumar, Sumit Kumar Tripathi, Shyam Sundar Roy, Bhuvnesh Raj. Spatial variability and assessment of major nutrients in paddy growing sodic soils of Sultanpur Region, Uttar Pradesh. *Oryza*. 63 (1) 2026 (66-76).
2. Chatterjee A, Kumari D, Bhagat, S, Mandal NP, Banerjee Amrita, Roy S (2026). Rice brown spot as a stress-modulated necrotrophic pathosystem: mechanisms, quantitative resistance, and breeding for direct-seeded rice. *Physiological and Molecular Plant Pathology* 144:103228
3. Chatterjee, D., Pradhan, A., Swain, C. K., Alam, R., Tripathi, R., & Bhattacharyya, P. (2026). Assessing energy fluxes of lowland rice fields using four-year eddy covariance data. *International Journal of Biometeorology*, 70(5), 132.
4. Debabrata Dey, Sasmita Behera, Soumya Priyadarsinee Mohanty, Debashis Moharana, Lambodar Behera, Anjani Kumar, Rameswar Prasad Sah, Abhishek Kumar Sahu, Reshmi Raj K.R., Beena R., Madhav Pandit, Priyamedha, Tapash Dasgupta, Bhubaneswar Pradhan, Bishnu Charan Marndi (2026). Identification of Genetic Loci for Mesocotyl Length in Rice (*Oryza sativa* L.) using Genome-Wide Association Approach. *Plant Molecular Biology Reporter* 44:93.
5. Ghosh, S., Mohanty, S., Tripathi, R., & Mondal, B. K. (2026). Advances in spectroscopic and machine learning approaches for estimating soil organic carbon and nitrogen: a comprehensive review. *International Journal of Remote Sensing*, 1-30
6. Mahapatra, B., Kar, A., Pattanaik, A., Nayak, R. R., Mahanty, A., Khanam, R., ... & Adak, T. (2026). Simultaneous removal of imidacloprid, carbendazim, and bispyribac sodium using zinc and bentonite functionalized rice husk biochar composite. *Waste Management*, 215, 115441.
7. Mitra, D., Panneerselvam, P., Chidambaranathan, P., Nayak, A. K., Kumar, A., Kumar, U., ... & Mohapatra, P. K. D. (2026). Arbuscular Mycorrhizal Fungi Modulate Variety-Specific Phosphate Transporter Gene Expression in Aerobic Rice Under Phosphorus-Limited Soil Conditions. *Plants*, 15(11), 1675.
8. Mohapatra, K. K., Nayak, A. K., Patra, R. K., Tripathi, R., Swain, C. K., Eeswaran, R., & Garnaik, S. (2026). Mapping agricultural vulnerability to climate-driven drought using the TOPSIS model. *Theoretical and Applied Climatology*, 157(3), 171.
9. Mukherjee, S., Singh, S. K., Patra, A., Jatav, H. S., & Chatterjee, D. (2026). Biochar Application in Metal Contaminated Soil Enhances Soil Biological Properties and Rice Yield. *Water, Air, & Soil Pollution*, 237(8), 474.
10. Nayanika Guha, Anima Mahato, Sougata Bhattacharjee, Koushik Chakraborty, Amrita Banerjee, Nimai Prasad Mandal & Somnath Roy. Genetic Dissection of Germination Potential and Coleoptile Elongation in aus Rice Under Anaerobic Conditions: GWAS and Donor Mining for Climate-Resilient Direct Seeded Rice. *Journal of Plant Growth Regulation*, DOI: 10.1007/s00344-026-12282-0.
11. Padbhushan R, Sinha AK, Kumar U, Rana DS, Kumar A, Yadav SK, Roy P, Jha AK. 2026. Conservation agriculture on biological soil health: a sustainable approach for trend analysis. *Proceedings of the Indian National Science Academy*. 28:1-13.
12. Priyadarsani, S., Debnath, M., Bisen, J., Tripathi, R., Mohanty, S., Jambulkar, N.N. Nayak, A.K. & Pathak, H. (2026). Life Cycle Greenhouse Gas Emissions of the Indian Food System: A Cradle-to-Consumption Assessment. *Greenhouse Gases: Science and Technology*, e70020.
13. Puranjoy Sar, Umakanta Ngangkham, Koushik Chakraborty, B. C. Verma, Priyamedha, Amrita Banerjee, N. P. Mandal, Somnath Roy (2026). Yield Stability of aus Rice Genotypes Across Contrasting Rainfed Agro- Ecologies: Identifying Potential Donors for Rainfed Rice Improvement *Indian Journal of Genetics and Plant Breeding*. <https://doi.org/10.1007/s44489-026-00022-3>.
14. Rajbonshi, M.P., Bhattacharyya, P., & Mitra, S. (2026). Investigating the critical roles of soil enzymes in regulating greenhouse gas emissions from rice paddy under various climate smart agriculture practices. *Bioresource Technology Reports*, 102884.
15. Sahoo, P., Behera, M., Behera, L., Munda, S., Sarkar, S., Jena, M., & Chakraborti, M. (2026). Marker-assisted introgression of brown planthopper resistance and herbicide tolerance for integrated pest management in direct seeded rice. *Molecular Breeding*, 46(5), 38.
16. Srivastava, A., Gangola, S., Rani, A., Panneerselvam, P., & Mitra, D. (2026). Promoting a sustainable agriculture practice by recycling of waste generated in the Indian Himalayan region: A dual approach towards achieving SDG 11, 12, and 15. *Current Opinion in Environmental Sustainability*, 81, 101645.
17. Srivastava, A., Jevtić, G., Milenković, J., Andjelković, S., Thankappan, S., Boutaj, H., & Assefa, A. (2026). Emerging role of hydrophobins as a novel bio-surfactant and its multifaceted applications for sustainable practices: a mini-review. *Archives of Microbiology*, 208(6), 298.
18. Tripathi, R., Nayak, A. N., Gouda, A. K., Priyadarshini, S., Jena, S. S., & Sahu, S. R. (2026). Decarbonization from Agriculture and Voluntary Carbon Markets across the World: Opportunities and Challenges. *Eurasian Soil Science*, 59(6), 106.
19. Tripathi, R., Mohapatra, R.R., Sahu, S. R., Goud, B. R., Debnath, M., Jambulkar, N. N., (2026). Crop modelling for impact assessment and identifying adaptation strategies under changing climate scenarios: a comprehensive review. *Proceedings of the Indian National Science Academy*. <https://doi.org/10.1007/s43538-026-00706-0>.
20. Ziom Adam Michael, Anjani Kumar*, Ashish Kumar Dash, Rameswar Prasad Sah, Periyasamy Panneerselvam, Sangita Mohanty, Rituparna Mandal, Anupama Baliarsingh, R K Nayak, Triyugi Nath, Narayan Panda, Panneerselvam Peramaiyan, Pratap Bhattacharyya & Amaresh Kumar Nayak (2026). Elucidating the Impact of Elevated Ozone Concentrations on Rhizospheric Carbon Pools in Relation to Methane Emission in Tropical Rice Fields, *Ozone: Science & Engineering*, 48:1, 53-65, DOI: 10.1080/01919512.2025.

Popular Article

1. Gayatri Sinha, Shiv Mangal Prasad, Tamireddy Anjali, Arka Chakravorty and Sumit Singh (June 2026). “Alp Upyog Vale Goun Falon ke Poushnikewam Aushdhiya Mahatva” Bhadraka Punj” Annual Hindi Magazine of ICAR-IARI, Jharkhand (2026) Vol.01 (Year 03), pp 57 – 58.

2. Himani Priya, Ranjeet Singh, Prabhat Kumar Guru, Mukesh Tiwari and Shiv Mangal Prasad (June 2026). "Biochar: Amliya Mridaon ki Urvartaewam Utpadakta Badhane Ki ek Prabhavi Taknik" "Bhadrika Punj" Annual Hindi Magazine of ICAR-IARI, Jharkhand (2025) Vol.01 (Year 04), pp 48– 50
3. Piyush Kumar Bhargav, Shambhunath Karmkar and Shiv Mangal Prasad (June 2026). "Satat Krishi ewam Mrida Swasthya men Biochar ki Bhumika "Bhadrika Punj" Annual Hindi Magazine of ICAR-IARI, Jharkhand (2025) Vol.01 (Year 04), pp 8–9.
4. Shiv Mangal Prasad, Pankaj Kumar Singh, Sujata Sethy and Himani Priya (June 2026). "Mushroom ke vividh vyanjan ewam Utpad "Bhadrika Punj" Annual Hindi Magazine of ICAR-IARI Jharkhand (2026) Vol.01 (Year 04), pp 42– 44.
5. Sujata Sethy, Shiv Mangal Prasad and Himani Priya (June 2026). "Swasth Shareer ewam Deemag ke liye Monsoon ke samay ka Aahar" "Bhadrika Punj" Annual Hindi Magazine of ICAR-IARI, Jharkhand (2026) Vol.01 (Year 04) pp 59 – 60.

Research/Extension/Technology Bulletins

1. धान की फसल में नत्रजन स्थिरीकरण के लिए एंडोफाईटिक (एजोटोबैक्टर क्रोकोकम) एवं राइजोस्फेरिक (एजोटोबैक्टर वाईनेलेंडी) जीवाणु के तरल जैवइनोकुलेंट - उपेन्द्र कुमार, पी पन्नीरसेलवम एवं शिव मंगल प्रसाद. CRRI Technology Bulletin No. 270.
2. Liquid Bioinoculant of Endophytic (*Azotobacter chroococcum*) Nitrogen Fixing Bacteria (NRRI-EndoN) for Vegetable Crops - Upendra Kumar, P. Panneerselvam, Laxmipriya Dash, Sai Krishna Repalli, Rashmita Rani Rath. CRRI Technology Bulletin No. 271.
3. ପ୍ରାକୃଷ୍ଟିକ ସ୍ୱଚ୍ଛତା ଭାବେ ଚୋରାଣି ଆଧାରିତ ପାନୀୟ ("ରାଇସ୍ ବୁଲ୍") ର ବିକାଶ ସୁପ୍ରିୟା ପ୍ରିୟଦର୍ଶିନୀ, ପି. ପନ୍ନୀରସେଲଭମ, ସୁତପା ସରକାର, ପ୍ରକାଶ ଚନ୍ଦ୍ର ଜେନା. CRRI Technology Bulletin No. 272.
4. Essential Natural Enemies in the Harmony of Rice Ecosystem and Their Conservation – Prasanthi Golive, S.D. Mohapatra, Soumya Shephalika Dash and Raghavendra Goud. CRRI Technology Bulletin No. 273.
5. Trait-Specific Rice Germplasm Registered with NBPGR - P Sanghamitra, F Jahan, R Behera, M Patra, BC Marndi, S Sarkar, N Basak, G Kumar, Anilkumar C, LK Bose, SK Dash, J Meher, Reshmiraaj KR. CRRI Technology Bulletin No. 274.
6. Catalogue of Promising Rice Landraces for High-Yielding Variety Development - P Sanghamitra, F Jahan, R Behera, M Patra, BC Marndi, S Sarkar, N Basak, G Kumar, Anilkumar C, LK Bose SK Dash J Meher, Reshmiraaj KR. CRRI Technology Bulletin No. 275.
7. Integrated Management of Bacterial leaf blight of rice – Raghu S, Jeevan B, Rupak Jena, Gaurav Kumar, Arup Kumar Mukherjee, Totan Adak and S.D. Mohapatra. CRRI Technology Bulletin No. 276.
8. Rice Blast Disease and its integrated management – Raghu S, Jeevan B, Rupak Jena, Gaurav Kumar, Keerthana U, Totan Adak and S.D. Mohapatra. CRRI Technology Bulletin No. 277.
9. Rice False Smut Disease and Its integrated management - Raghu S, Jeevan B, Rupak Jena, Gaurav Kumar, Manas Kumar Bag, Totan Adak and S.D. Mohapatra. CRRI Technology Bulletin No. 278.
10. Rice Sheath Blight Disease and Its integrated management - Raghu S, Jeevan B, Rupak Jena, Gaurav Kumar, Srikanta Lenka, Totan Adak and S.D. Mohapatra. CRRI Technology Bulletin No. 279.
11. Physiological Advances in Rice Research at ICAR-CRRI: Enhancing Yield, Photosynthetic Efficiency, and Climate Resilience for Sustainable Productivity - Milan Kumar Lal, Koushik Chakraborty, Saswat Swarup Padhi, Ramani Kumar Sarkar, MJ Baig, Padmini Swain. CRRI Research Bulletin No. 64.
12. Advancement in Drought Physiology of Rice: A Research Continuum from Genotypic Selection to Genomic Precision at ICAR-CRRI, Cuttack - Milan Kumar Lal, Koushik Chakraborty, Padmini Swain, Bandana Mohapatra, MJ Baig. CRRI Research Bulletin No. 65.
13. Illuminating Shade Adaptation Through Physiological Research at ICAR-CRRI Shaped Low-Light Stress Understanding and Germplasm Utilization in Rice - Milan Kumar Lal, Koushik Chakraborty, Laxmipriya Behera, MJ Baig, Padmini Swain. CRRI Research Bulletin No. 66.
14. Biofertilizer Model Village: Chemical Overload Transformed into Nature-Powered Fields. Upendra Kumar, S Paul, Sai Krishna Repalli, Rashmita Rani Rath, P. Panneerselvam, B Mondal, AK Mukherjee, Annie Poonam, D. Chatterjee, RL Verma, GAK Kumar. CRRI Extension Bulletin No. 30.
15. Production, Popularization and Supply of Quality Bioinoculants for Rice-based Cropping and Farming System of Odisha (Jaiva-Poshak)-EAP 416 – Nurturing the Soil for a Sustainable Tomorrow. Upendra Kumar, Rashmita Rani Rath, Sai Krishna Repalli, P. Panneerselvam, B. Mondal, AK Mukherjee, Annie Poonam, D. Chatterjee, S Paul, RL Verma, GAK Kumar. CRRI Extension Bulletin No. 31.
16. Organic Processes for Rice and Vegetable Crops for Odisha. (Odia) Upendra Kumar, Rashmita Rani Rath, Lakshmipriya Dash, Gayatri Sinha. CRRI Extension Bulletin No. 32.

नियुक्ति

- श्री ओएशिक राय ने 1 अप्रैल 2026 को सीआरआरआई, कटक में सहायक के पद पर कार्यग्रहण किया।
- श्री देवेन्द्र सिंह ने 6 अप्रैल 2026 को सीआरआरआई, कटक में सहायक निदेशक (राजभाषा) के पद पर कार्यग्रहण किया।

स्थानांतरण/ इस्तीफा

डॉ भूपेंद्र सिंह, मुख्य तकनीकी अधिकारी, केवीके, कोडरमा को 10 जून 2026 को स्थानांतरित/कार्यमुक्त किया गया।

Appointment

- Shri Oishik Ray joined ICAR-CRRI, Cuttack as an Assistant on 1 April 2026.
- Shri Devender Singh joined ICAR-CRRI, Cuttack as an Assistant Director (OL) on 6 April 2026.

Transfer/ Resignation

Dr. Bhoopendra Singh, Chief Technical Officer, KVK, Koderma transferred/relieved on 10 June 2026.

निदेशक की कलम से From Director's Desk



आधुनिक भारत की खाद्य आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ने की कहानी, भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक की वैज्ञानिक दूरदर्शिता, उनके द्वारा किए गए अथक योगदान, प्रयास एवं और ऐतिहासिक समर्पण अटूट रूप से जुड़ी हुई है। आजादी के बाद जब हमारे देश को भोजन की भारी कमी का सामना करना पड़ा, तो हरित क्रांति के माध्यम से सीआरआरआई ने खाद्य संकट की समस्या का समाधान करते हुए सबको गौरान्वित किया। दशकों के अग्रणी आनुवंशिक अन्वेषण, आनुवंशिक अनुसंधान में दशकों की अग्रणी प्रयासों, जननद्रव्य के बड़े पैमाने पर संरक्षण और अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञों के बीच आपसी सहयोग की मजबूत परंपरा के जरिए, हमारे प्रजनकों, मृदा रसायन वैज्ञानिकों, कीटविज्ञान विशेषज्ञ, रोग-विशेषज्ञ, शरीरक्रिया विज्ञान विशेषज्ञ और अर्थशास्त्रियों ने मिलकर काम किया। उन्होंने आयात पर निर्भरता वाली असुरक्षा की जगह देश को खाद्य सुरक्षा में आत्मनिर्भर बनाया।

आज भारतीय कृषि एक नए और महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ी है। तेजी से बदलते मौसम, घटते ताजे पानी के स्तर और उपभोक्ताओं की बदलती पसंद के कारण अब हमें केवल पैदावार की मात्रा से आगे बढ़कर सोचने की जरूरत है। चावल को अब केवल कैलोरी से भरपूर और खाने के लिए प्रमुख अनाज के तौर पर नहीं देखा जा सकता। इसे अत्यधिक लाभकारी, जलवायु-अनुकूल और स्वास्थ्य-संवर्द्धक अनाज बनना चाहिए। सीआरआरआई में, हमारा अधिदेश नई पीढ़ी के चावल की किस्में विकसित करने, बायोफोर्टिफाइड पोषक तत्वों से भरपूर किस्में जो बढ़ती भूख की मांग से निपटती हैं, उत्कृष्ट प्रीमियम-गुणवत्ता वाली सुगंधित खेती जो उच्च बाजार मूल्य प्राप्त करती हैं, जलवायु-अनुकूल जननद्रव्य जो अजैविक तनाव झेलती हैं, उच्च उपज वाले हेटेरोटिक संकर और कम जल उपयोग करने वाली हमारे महत्वपूर्ण एरोबिक चावल किस्में जो हमारे जल निकायों को संरक्षित करने के लिए विकसित किए गए हैं, इस निर्णायक क्षण को पूरा करने के लिए विकसित हुआ है।

इस व्यावसायिक और पारितंत्रिक बदलाव को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए, संस्थान विकास के हर चरण में अत्याधुनिक नवामेष का प्रयोग कर रहा है। स्पीड ब्रीडिंग सुविधाओं, मार्कर-असिस्टेड बैकक्रॉसिंग,

The story of modern India's rise to food sovereignty is inseparable from the scientific vision and historic dedication of the ICAR-Central Rice Research Institute (CRRI), Cuttack. When our young nation faced severe food deficits, CRRI stood as a proud pillar of the Green Revolution. Through decades of pioneering genetic exploration, vast germplasm conservation, and an enduring culture of interdisciplinary collaboration, our breeders, soil chemists, entomologists, pathologists, physiologist and economists worked hand-in-hand to replace ship-to-mouth insecurity with robust national self-sufficiency.

Today, Indian agriculture confronts a profound new horizon. Accelerating climate fluctuations, diminishing freshwater tables, and shifting consumer preferences demand that we look beyond raw tonnage alone. Rice can no longer be evaluated purely as a calorie-dense subsistence staple. It must become a highly remunerative, climate-smart, and health-enriching commodity. At CRRI, our mandate has evolved to meet this defining moment by engineering new-generation rice types: biofortified nutrient-dense lines that tackle hidden hunger, exquisite premium-quality aromatic cultivars that fetch higher market prices, climate-resilient germplasm that withstands abiotic shocks, high-yielding heterotic hybrids, and water-frugal aerobic rices designed to conserve our vital aquifers.

To fast-track this commercial and ecological transformation, CRRI is harnessing cutting-edge innovations across every node of our pipeline. By deploying speed breeding facilities, marker-assisted backcrossing, genomic selection, doubled haploidy, and digital phenotyping platforms, our teams are dramatically shortening breeding horizons. Simultaneously, we are leveraging precision farming

जीनोमिक सिलेक्शन, डबलड हेलॉइड और डिजिटल फेनोटाइपिंग प्लेटफॉर्म को अपनाकर, हमारे वैज्ञानिक प्रजनन के समय को काफी कम कर दिया है। साथ ही, हम सटीक खेती के तरीकों का भी प्रयोग कर रहे हैं, जैसे एआई-समर्थित कीटों का पूर्वानुमान, मल्टीस्पेक्ट्रल ड्रोन इमेजिंग और टारगेटेड न्यूट्रिएंट इनपुट। इससे यह पक्का होता है कि हमारे किसान अपनी जेब से होने वाले खर्च को कम कर सकें और ऐसा अनाज उगा सकें जिसकी घरेलू और वैश्विक आपूर्ति कड़ी में अच्छी कीमत मिले।

अप्रैल से जून 2026 की तिमाही में राष्ट्रीय मंचों और अनुसंधान परीक्षण के द्वारा इस दृष्टिकोण को बहुत मान्यता मिली। हमारी वैज्ञानिकों ने 61वाँ वार्षिक चावल अनुसंधान समूह बैठक में सक्रिय रूप से योगदान दिया और संस्थागत प्राथमिकताओं को राष्ट्रीय प्रजनन परीक्षण और आधुनिक कृषि-मानकों के साथ तालमेल बिठाया। यह बैठक संस्थान के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि थी, जिसमें 'किस्म पहचान समिति' ने राष्ट्रीय स्तर पर विमोचित करने के लिए सीआरआरआई द्वारा विकसित 14 किस्मों और संकर किस्मों की सिफारिश की। किस्मों का यह अत्याधुनिक समूह देश की सबसे आवश्यक संसाधन सीमाओं और पोषण संबंधी जरूरतों को सीधे तौर पर पूरा करता है। सीआर 217 किस्म में जल बचत और विपरीत परिस्थितियों में भी टिके रहने की क्षमता है; सीआर धान 813 जो खरपतवारनाशक दवा को सह सकता है एवं नई तकनीक से खरपतवार पर नियंत्रण करता है; सीआर संकर धान 707, 708 जैसे संकर किस्मों में अधिक उपज क्षमता है। मिट्टी की घटती स्वास्थ्य और खाद की बढ़ती लागत को देखते हुए, इस महत्वपूर्ण विमोचन में पोषक तत्वों का कुशलता से प्रयोग करने वाली किस्में भी शामिल हैं: कम नाइट्रोजन में भी अच्छी पैदावार देने वाली सीआर धान 339 और सीआर धान 346 किस्में; कम फास्फोरस में भी अच्छी पैदावार देने वाली सीआर धान 342, सीआर धान 345 और सीआर धान 347; तथा अधिक पैदावार देने वाली अन्य किस्में जैसे सीआर धान 340, सीआर धान 341, सीआर धान 343, सीआर धान 344 और सीआर धान 348। इसके अलावा, अपनी बौद्धिक संपदा और आनुवंशिक संग्रह को मजबूत करते हुए, संस्थान ने भाकृअनुप-एनबीपीजीआर में चार विशेष जननद्रव्य वंशों को सफलतापूर्वक पंजीकरण कराया और आठ अधिसूचित किस्मों के व्यावसायिकरण को बढ़ावा देने तथा राष्ट्रीय जैव-विविधता की रक्षा के लिए पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण के तहत कानूनी सुरक्षा हासिल की।

इन पहचान सफलताओं के आधार पर, हमारी वैज्ञानिक टीमों ने कृषि परिदृश्य में मानसून-पूर्व कार्यकलापों पर प्रयास किया, संस्थान ने पूर्वी भारत में जीवंत खरीफ-पूर्व किसान मेलों, फार्म इंटरफेस दिवस और वैज्ञानिक सलाहकार अभियान के माध्यम से कृषक समुदायों को परामर्श सेवाएं प्रदान किया, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि हमारी प्रीमियम और अनुकूल किस्मों के प्रमाणित बीज भंडार वर्षों से पहले प्रगतिशील उत्पादकों तक पहुंचें।

दशकों पहले देश की खाद्य सुरक्षा की मजबूत नींव रखने से लेकर आज अत्याधुनिक विज्ञान के माध्यम से धान की खेती को स्थाई, पौष्टिक और अधिक लाभप्रद वाला बनाने तक, सीआरआरआई का संकल्प अटूट रहा है। वैज्ञानिक उत्कृष्टता और किसानों के प्रति गहरे सम्मान को एक साथ लाकर, हम आने वाली पीढ़ियों के लिए भारतीय कृषि की समृद्धि को आगे बढ़ा रहे हैं।

protocols including AI-assisted pest forecasting, multispectral drone imaging, and targeted nutrient inputs ensuring that our farmers reduce out-of-pocket costs while harvesting grain that commands premium prices in domestic and global supply chains.

The quarter of April to June 2026 brought extraordinary validation of this vision across national forums and research trials. Our scientific teams actively contributed to the 61st Annual Rice Research Group Meeting, synchronizing institutional priorities with national breeding trials and modern agronomic standards. The meeting marked a historic milestone for the institute, culminating in the Varietal Identification Committee's (VIC) recommendation of an unprecedented 14 CRRRI-bred varieties and hybrids for national release. This cutting-edge basket directly addresses the country's most urgent resource limitations and nutritional mandates. It delivers water-saving aerobic resilience through CR Dhan 217, innovative non-transgenic weed control via the herbicide-tolerant CR Dhan 813, and high yield potential through hybrids CR Sankar Dhan 707 and CR Sankar Dhan 708. Confronting declining soil health and rising fertilizer costs, this landmark release also contributes nutrient-use-efficient varieties: low-nitrogen tolerant CR Dhan 339 and CR Dhan 346, alongside low-phosphorus tolerant CR Dhan 342, CR Dhan 345, and CR Dhan 347, along with other high-yielding cultivars CR Dhan 340, CR Dhan 341, CR Dhan 343, CR Dhan 344, and CR Dhan 348. In addition, fortifying our intellectual property and genetic repository, the institute successfully registered four unique germplasm lines with ICAR-NBPGR and secured statutory PPV&FRA protection for eight notified varieties to accelerate their commercialization and protect national biodiversity.

Building upon these identification breakthroughs, our teams spent on pre-monsoon activity swept across the agrarian landscape, the institute turned outward to farming communities through vibrant pre-kharif Kisan Melas, farm interface days, and scientific advisory drives across eastern India, ensuring that certified seed stocks of our premium and resilient varieties reached progressive growers ahead of the rains.

From establishing the bedrock of national food security decades ago to deploying frontier science that makes modern rice farming sustainable, nourishing, and richly profitable today, CRRRI's commitment remains unwavering. By uniting scientific excellence with deep reverence for our growers, we continue to power the prosperity of Indian agriculture for generations to come.

संपर्क :

निदेशक, भाकृअनुप-केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान

कटक 753 006, ओडिशा, भारत

दूरभाष: 91-671-2367768-83 | फैक्स: 91-671-2367663

ईमेल: director.nrri@icar.gov.in | directorcrricutack@gmail.com

यूआरएल: www.icar-nrri.in

Contact :

Director, ICAR-Central Rice Research Institute

Cuttack 753 006, Odisha India

Phone: 91-671-2367768-83 | Fax: 91-671-2367663

Email: director.nrri@icar.gov.in | directorcrricutack@gmail.com

URL: www.icar-nrri.in

निदेशक: डॉ.जी ए के कुमार

संपादन एवं समन्वयन :

संकलन :

हिंदी अनुवाद :

प्रारूप :

बी मंडल

संध्या रानी दलाल

बी के महांती

एस के सिन्हा

Director : G A K Kumar

Editing & Coordination : B Mondal

Compilation : Sandhya Rani Dalal

Hindi Translation : B K Mohanty

Layout : S K Sinha